● जयपुर, रविवार 10 नवंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 83 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 कैलाश चन्द्र बिश्नोई, पुलिस उप महानिरीक्षक,जविप्रा ने नवीन अवैध...

पेज @4 उप चुनाव भाजपा को सबक सिखाने का एक मौका :डोटासरा...

पेज @8 ''अंधा बांटे रेवड़ी, फिर फिर अपने को दे'' कहावत को चरितार्थ कर ...

रतन टाटा को पीएम मोदी ने किया याद

बोले- उन्होंने नेशन फर्स्ट भावना को रखा सर्वोपरि

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत के दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन को एक महीना हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने रतन टाटा को लेकर एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तिगत संबंध और रतन टाटा के नेशन फर्स्ट भावना के साथ काम करने के तरीकों की ता-रीफ की और युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योगपति रतन टाटा को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'रतन टाटा को अंतिम विदाई दिए हुए करीब एक महीना बीत चुका है। भारतीय उद्योग जगत में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा और यह सभी देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उनके असाधारण जीवन और अतुलनीय योगदान को समर्पित मेरा यह आलेखज'

रतन टाटा को लेकर लिखे लेख में पीएम मोदी ने अपने व्यक्तिगत संबंध के बारे में बताया। उन्होंने लिखा, 'व्यक्तिगत तौर पर, मुझे पिछले कुछ दशक-ों में उन्हें बेहद करीब से जानने का सौभाग्य मिला। हमने गुजरात में साथ मिलकर काम किया। वहां उनकी कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। इनमें कई ऐसी परियोजनाएं भी शामिल थीं, जिसे लेकर वे बेहद भावुक थे।

जब मैं केन्द्र सरकार में आया, तो हमारी घनिष्ठ बातचीत जारी रही और वो हमारे राष्ट्र-निर्माण के प्रयासों में एक प्रतिबद्ध भागीदार बने रहे। स्वच्छ भारत मिशन के प्रति श्री रतन टाटा का उत्साह विशेष रूप से मेरे दिल को छू गया था। वह इस जन आंदोलन के मुखर समर्थक थे। वह इस बात को समझते थे कि स्वच्छता और स्वस्थ आदतें भारत की प्रगति की दृष्टि से कितनी महत्वपूर्ण हैं। अक्टूबर की शुरुआत में स्वच्छ भारत मिशन की दसवीं वर्षगांठ के लिए उनका वीडियो संदेश मुझे अभी भी याद है। यह वीडियो संदेश एक तरह से उनकी अंतिम सार्वजनिक उपस्थितियों में से एक रहा है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रतन टाटा को युवाओं और नवाचार के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने अपनी लेख में लिखा, 'युवाओं के लिए, रतन टाटा एक प्रेरणास्त्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य ऐसा नहीं जिसे प्राप्त नहीं किया जा सके। रतन टाटा जी ने सबको सिखाया है कि विनम्र स्वभाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए भी सफलता पाई जा सकती है।

रतन टाटा, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी उपलब्धियों को पूरी विनम्रता और सहजता के साथ स्वीकार किया।'

पीएम मोदी ने रतन टाटा के नेशन फर्स्ट भावना के साथ काम करने की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'रतन टाटा जी ने हमेशा, नेशन फर्स्ट की भावना को सर्वोपरि रखा। 26/11 के आतंकवादी हमलों के बाद उनके द्वारा मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल को पूरी तत्परता के साथ फिर से खोलना, इस राष्ट्र के एकजुट होकर उठ खड़े होने का प्रतीक था। उनके इस कदम ने बड़ा संदेश दिया कि झ भारत रुकेगा नहींज्भारत निडर है और आतंकवाद के सामने झुकने से इनकार करता है।'

सीएम योगी का सपा पर हमला, बोले-लाल टोपी के काले कारनामों को पनपने न दें

अलीगढ़/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लाल टोपी के काले कारनामों को पनपने न दें। ये सभ्य समाज के लिए कलंक हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अलीगढ़ के खैर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का असली चेहरा देखना है, तो निषाद और कश्यप जाति की बेटी के साथ जो कृत्य किया था, वो किसी से छिपा हुआ है क्या। इनके एक नेता नेता ने कन्नौज में एक बेटी के साथ जो कृत्य किया, वह सभ्य समाज में कलंक है। इसलिए बार बार कहता हूं लाल टोपी के काले कारनामे, इसको पनपने मत दीजिए, नहीं तो उत्तर प्रदेश, जो सुरक्षा और समृद्धि का एक मानक तय कर रहा है, यह लोग इसको अराजकता की ओर धकेल देंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अलीगढ़ कैसा होना चाहिए, उसमें खैर की क्या भूमिका होनी चाहिए, यह बात करने आया हूं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जनता ने कहा कि हमें डबल इंजन की सरकार चाहिए, हमें भाजपा चाहिए। जिस राजा महेंद्र प्रताप सिंह को कांग्रेस ने भुला दिया था, भाजपा ने उनके नाम से एक राज्य विश्वविद्यालय दिया है।

उच्चतम न्यायालय के एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे के मामले का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा, जब देश का पैसा एएमयू में पैसा लगा है, तो वहां भी एससी, एसटी आदि को भी नौकरी और पढने् में आरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी केंद्र की सरकार ने जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई, तो वहां अच्छा माहौल बना, पर अब फिर से माहौल बिगडना् शुरू हो गया।

योगी ने बंटेंगे तो कटेंगे का जिक्र किया और कहा बटों मत, एक हो, तभी कटने से बचोगे। पहले पेंशन भी समाजवादी पार्टी के लोगों को मिलती थी, आम जनता को नहीं। जब डबल इंजन की सरकार आई, तो अब सब जनता को बिना भेदभाव को मिल रहा है। अलीगढ़ का ताला उद्योग भी पुनर्जीवित हो गया है। अब अलीगढ़ में भी अपना विश्वविद्यालय हो गया है। विश्वविद्यालय आपकी पीढ़ी को बनाएगा। राजा महेंद्र प्रताप सिंह का विवि आगे बढ़ता है या एएमयू, यह आपको दिखाना है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा वालों ने लोकसभा चुनाव से पहले जो अफवाह फैलाई थी, सब एक्सपोज हो गए। इस बार चुनाव में इनको सफाचट कर दीजिए। अलीगढ़ की धरती से संदेश जाना चाहिए कि बंटेंगे नहीं एक रहेंगे और सेफ रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि किशनलाल दिलेर और मैं एक साथ सांसद थे, वे बड़े नेक इंसान थे। आपने अनूप प्रधान हाथरस के सांसद बने, अब भाजपा, रालोद, एनडीए ने सुरेंद्र दिलेर को अपना प्रत्याशी बनाया है। विकास और विरासत के समन्वय के प्रत्याशी को चुनें। जब राजवीर सिंह दिलेर का टिकट कटा तो मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने कहा था कि पार्टी का निर्णय सर्वोपरि है। उन्होंने जीवन के अंत तक भाजपा का साथ दिया। अब उनके पुत्र सुरेंद्र दिलेर को मौका दें।

उन्होंने कहा कि आपने 2017 के उत्तर प्रदेश को देखा। यही अलीगढ़ था। दसवें दिन कर्फ्यू लगता था। अब साढ़े सात साल में कुछ नहीं हुआ। अगर कोई उपद्रव करेगा, तो उसकी संपत्ति जनता में बांट देंगे। पहले गरीब को राशन नहीं मिलता था। इंदिरा गांधी योजना में एक गांव में एक को लाभ मिलता था। अब प्रदेश में 56 लाख आवास बने। एक लाख परिवार को पेंशन मिल रही है। 15 करोड़ लोगों को राशन मिल रहा है। गरीब कल्याणकारी योजना है और विकास भी तेज गति से हो रहा है। अलीगढ़ का एयरपोर्ट शुरू हो गया है। डिफेंस कॉरिडोर का एक नोड बन गया है। इससे अलीगढ़ की पूरे देश में अलग

न्यूज़ अपडेट

ट्रेन की बोगी और इंजन के बीच दबा रेल कर्मचारी, ऐसी भयानक मौत देख दहल जाएगा दिल

बेगूसराय/एजेंसी। बिहार के बरौनी जंक्शन पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जिसमें एक रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई है। यह हादसा ट्रेन को शंटिंग में ले जाने के दौरान हुआ। मृतक की पहचान दलसिंहसराय निवासी शंटिंग अमर कुमार राउत (35) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, इंजन को बदलने के दौरान अमर कुमार इंजन और बोगी के बीच घुसकर काम कर रहे थे। इसी दौरान इंजन पीछे हटने लगा और अमर कुमार दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, 15204 लखनऊ-बरौनी एक्सप्रेस बरौनी जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर रुकी थी। ट्रेन को शंटिंग में ले जाने के लिए इंजन बदला जा रहा था। अमर कुमार इंजन और बोगी के बीच कपलिंग को खोल रहे थे। इसी दौरान इंजन पीछे हटने लगा और अमर कुमार दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, लेकिन ड्राइवर इंजन को आगे करने के बजाय भाग गया। अमर कुमार के शव को इंजन और बोगी के बीच से निकालने में करीब 2 घंटे का समय लगा। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी और मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

झारखंड में चुनाव के बीच आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई, सीएम सोरेन के निजी सचिव के ठिकानों पर छापेमारी

रांची/एजेंसी। झारखंड में विधानसभा चुनाव के बीच आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के निजी सलाहकार सुनील श्रीवास्तव समेत कई अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक रांची में 7 जबकि लोहनगरी जमशेदपुर के भी कई ठिकानों पर छापेमारी जारी है। सुनील श्रीवास्तव मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निजी सचिव है।

इससे पहले 14 अक्टूबर को , जल जीवन मिशन में हुए घोटाला मामले को लेकर परिवर्तन निदेशालय की टीम ने हेमंत सोरेन सरकार के कैबिनेट मिनिस्टर मिथलेश ठाकुर के भाई विनय ठाकुर, निजी सचिव हरेंद्र सिंह समेत विभाग के कई इंजीनियरों के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

झारखंड में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने में कुछ ही दिन का समय बचा है। इसी बीच आयकर विभाग ने यह एक्शन लिया है। झारखंड की 81 सीट पर दो चरणों में चुनाव होने हैं। पहले चरण की 43 सीटों के लिए 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इसी के बाद 20 नवंबर को 38 सीटों पर वोटिंग की जाएगी।

सीएम आतिशी ने कर दिया बड़ा ऐलान

दिल्ली में बस मार्शल्स की वापसी, 10 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स यानी बस मार्शलों को फिर से काम पर लगाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री आतिशी ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। मुख्यमंत्री आतिशी ने बताया कि बस मार्शलों की नियुक्ति महिलाओं की सुरक्षा के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए बस मार्शल की तैनाती जरूरी है।

इस फैसले से लगभग 10 हजार सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को रोजगार मिलेगा। इन मार्शलों को अगले चार महीनों के लिए नौकरी पर रखा गया है। सीएम आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने साजिश के तहत पिछले साल अक्टूबर में बस मार्शलों को हटा दिया था। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए 2018 में इनकी तैनाती की गई थी, लेकिन भाजपा ने राजनीतिक कारणों से इन्हें हटा दिया।

अगले चार महीनों के दौरान बस मार्शल प्रदूषण रोकने के अभियान में शामिल होंगे। उन्हें प्रदूषण के हॉटस्पॉट्स की पहचान करने और प्रदूषण फैलाने वाले कार्यों को रोकने का काम सौंपा जाएगा। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि वह बस मार्शलों की स्थायी नियुक्ति के लिए भी प्रयास कर रही हैं। उन्होंने इस संबंध में उपराज्यपाल को एक प्रस्ताव भेजा है।

यूएन में भारत ने एक बार फिर पाक को याद दिलाई हैसियत बोला- 'जम्मू-कश्मीर हमारा अभिन्न अंग था, है और रहेगा

नई दिल्ली/एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना अभियानों पर चल रही चर्चा के दौरान जब पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे को उठाया तो भारत के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने तुरंत जवाब दिया।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में भारत ने आरओआर (राइट ऑफ रिप्लाई) का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तान ने एजेंडे को अनावश्यक रूप से भटकाने की कोशिश की है। हम यह बताना चाहते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।

त्रिवेदी ने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने हाल ही में अपने इलेक्टोरल अधिकार का प्रयोग किया और एक नई सरकार का चुनाव किया। संयुक्त राष्ट्र के अगस्त फोरम का उपयोग इस प्रकार की गैर-मौलिक और भ्रामक शर्तों का उल्लेख करने में नहीं किया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना अभियानों पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे को उठाते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की भागीदारी 1948 में जम्मू-कश्मीर में शुरू हुई थी। इस दावे को खारिज करते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और पाकिस्तान का कोई हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सुधांशु त्रिवेदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ विदेश नीति के कारण संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को मजबूत और मुखर बना रही है।

बंगाल में ट्रेन हादसा, सिकंदराबाद से शालीमार जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के 3 कोच पटरी से उतरे, मच गई अफरा-तफरी

हावड़ा/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में एक ट्रेन दुर्घटना हुई है। यहां पर सिकंदराबाद से शालीमार की ओर जा रही एक 22850 सिकंदराबाद-शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन के कुछ कोच डिरेल हो गए।

पूरी घटना पश्चिम बंगाल के हावड़ा के नवलपुर रेलवे स्टेशन के पास हुई है। यहां पर सिकंदराबाद से शालीमार की ओर जा रही एक एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे डिरेल हो गए। हालांकि राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसे के बारे में जानकारी देते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ओमप्रकाश चरण ने फोन पर बताया कि सिकंदराबाद से शालीमार आ रही ट्रेन नवलपुर रेलवे स्टेशन के नजदीक डिरेल हुई है। इसमें तीन कोच है, लेकिन इस घटना में किसी की हताहत होने की अभी तक कोई जानकारी नहीं है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पूरी घटना शनिवार सुबह पौने छह बजे के करीब की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल था, हालांकि यात्रियों के मुताबिक ट्रेन की गति सामान्य से कम होने के कारण ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। बस अचानक तेज झटका लगा और ऊपर रखे सामान नीचे गिर गए। ड्राइवर ने ट्रेन को मौके पर रोक दिया। हादसे के बाद रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, उनके अनुसार सभी हादसे का शिकार हुई 22850 सिकंदराबाद-शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन से सभी यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानलेवा होता सड़क जाम

रोड टैक्स अदा किये बिना यदि आप सड़क पर अपना वाहन चलाते हुये पकड़े गये तो आपका चालान/जुर्माना होना निश्चित है। और अब तो जगह जगह सड़कों पर लगे टोल वसूली बैरियर्स पर हर लेन में मोटे अक्षरों में लिख दिया गया है कि 'टोल दिये बिना भागने वाले से दस गुना टोल वसूली की जायेगी'। इसी तरह इन्शुरेन्स के बिना या कार सीट बेल्ट लगाये बगैर या दुपहिया वाहन से हैलमेट लगाए बिना आप चलते हैं तो भी चालान को दावत दे रहे हैं। गोया आपके वाहन में कोई भी कागज़ की कमी है फिर तो आपका सड़क पर निकलना चालान यानी जुर्माना भरने को दावत देना है।

यहां तक कि यदि किसी मजबूरीवश कोई वाहन स्वामी समय पर टैक्स नहीं दे सका तो सरकार उससे जुर्माने के साथ टैक्स वसूल करती है? परन्तु सवाल यह है कि टोल व मार्ग टैक्स व कमेटी टैक्स आदि के नाम पर धन वसूली करने वाली सरकार इस वसूली के बदले में जनता को क्या देती है? जब हम सड़क पर वाहन चलाते हैं तो हमें पता चलता है कि सड़कों पर कहीं गड्ढे हैं तो कहीं टोल पर लंबी लाइनें। सड़कों पर कई कई घंटों के लंबे जाम हैं तो उसी जाम में धुल,धुएं और प्रदूषण भरी घुटन। क्या इसी दुर्व्यवस्था के बदले सरकार आम लोगों से वाहन व उसके नाम पर अन्य टैक्स वसूलती है? और सबसे बड़ी बात यह कि सरकार की गलत,पूंजीवादी व विवादित नीतियों का भुगतान आखिर जनता क्यों करे। उदाहरण के तौर पर गत एक वर्ष से पंजाब–हरियाणा के शंभु बॉर्डर पर दिल्ली अमृतसर मुख्य मार्ग पर किसानों के कई संगठन धरने पर बैठे हैं। परन्तु हरियाणा की भाजपा सरकार उन्हें दिल्ली जाने के लिये हरियाणा में प्रवेश नहीं करने दे रही।

'दिल्ली सल्तनत' का फरमान है कि किसान दिल्ली से दूर रहें। हरियाणा सरकार उसी आदेश पर अमल करते हुये किसानों को बलपूर्वक शंभु बॉर्डर पर रोके हुये है। और इन्हीं किसानों के धरने के कारण सरकार ने देश का सबसे व्यस्ततम मार्ग रोक रखा है। किसानों की क्या मांगें हैं, सरकार क्यों पूरी नहीं कर रही, किसानों के दिल्ली जाने से सरकार को क्या परेशानी होगी, इन बातों से आम लोगों का क्या वास्ता। वाहन टैक्स भरने वाले आम लोगों को तो बिना बाधा के सुचारु रूप से चलने वाला राजमार्ग चाहिये जो उसे सरकार नहीं दे पा रही है। नतीजतन अमृतसर –भटिंडा –जम्मू कश्मीर तक का वह ट्रैफिक जो राजपुरा–शंभू–अंबाला से गुज़र कर दिल्ली की ओर निकल जाता था अब उसे राजपुरा–ज़ीरकपुर से वाया चंडीगढ़–डेराबसी–अंबाला मार्ग से होकर गुज़रना पड़ रहा है। इस मार्ग परिवर्तन के चलते चंडीगढ़–अंबाला मार्ग लगभग 24 घंटे बाधित रहता है। और टोल पर भी लंबी कतारें लगी रहती हैं। सवाल यह है कि फिर सब्ज़ बाग दिखाने वाली ऐसे निरर्थक खबरों से जनता को क्या हासिल जो समय समय पर सरकार द्वारा अपनी पीठ थपथपाने के लिये विज्ञापनों के माध्यम से की जाती हैं कि देश में सड़कों का रिकार्ड निर्माण हो रहा है। सड़कों का जाल बिछ रहा है,आदि। यदि ऐसा है तो जाम की स्थिति क्यों? कुछ समय से सरकार ने प्रदूषण कम करने के नाम पर 10–15 वर्ष पुराने वाहन का चलन बंद करने का निर्णय लिया है। दिल्ली में तो इनका प्रवेश पूर्णतयः वर्जित है। इस नीति की आलोचना करने वालों का मत है कि यह नियम पूंजीपतियों के मुनाफे की खातिर बनाये गए हैं ताकि ज्यादा से ज़्यादा वाहन बिक सकें। उधर जगह जगह फाइनेंसर भी कार लोन देने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसे में सड़कों पर उधार की चमचमाती हुई नई गाड़ियों की कतार बढ़ना भी स्वभाविक है।

सड़कों पर लगने वाले इन दमघोंटू और जानलेवा जाम का प्रभाव केवल यही नहीं होता कि जाम में फंसे लोग 2–4 घंटों के जाम के बाद अपने घरों को पहुँच जाते हैं। जी नहीं, इन्हीं जाम में फंसी बसों में अनेक यात्री ऐसे होते हैं जो चंडीगढ़,हिमाचल या अन्य क्षेत्रों से बसों में बैठकर अंबाला छावनी जाते हैं जहाँ से उन्हें यूपी –बिहार या अन्य राज्यों की लंबी दूरी की ट्रेन पकड़नी होती है। परन्तु रोज़ाना के इस जाम में घंटों तक फंसी होने वाली बसों के अनेक यात्रियों की ट्रेन रोज़ छूट जाती है। ज़रा सोचिये कि मुश्किल से महीनों पहले कराया गया आरक्षित टिकट होने के बावजूद लंबी यात्रा करने वालों की ट्रेन छूटने पर उस यात्री व उसके सहयात्री परिजन व बच्चों को इस जाम की क्या कीमत भुगतनी पड़ती होगी? कम से कम सत्ता का सुख भोग रहे नेताओं को तो शायद इस बात का बिल्कुल नहीं पता? इसी जाम में कहीं ऐम्बुलेंस फँस जाती है तो कोई अपनी परीक्षा या साक्षात्कार से हाथ धो बैठता है।

खांसी दमे के तमाम मरीजों के लिये तो यह जाम दमघोंटू यहां तक कि जानलेवा भी साबित होता है। मगर सरकार के पास आमलोगों की इन परेशानियों का कोई समाधान नहीं। केवल एक चंडीगढ़–अम्बाला राजमार्ग ही नहीं बल्कि कहीं भी चले जाइये पहाड़ी क्षेत्रों में चंडीगढ़ – शिमला मार्ग हो या कुल्लू –मनाली मार्ग, एनसीआर में क्या गाज़ियाबाद तो क्या दिल्ली गुड़गांव या दिल्ली के चारों तरफ का करीब 50 किलोमीटर का इलाका तो रोज़ाना लगभग सारा दिन जाम का शिकार रहता है। इसी तरह देश के अन्य नगरों विशेषकर महानगरों में भी जानलेवा जाम लगे दिखाई देते हैं। क्या महाराष्ट्र, यूपी क्या बिहार तो क्या बंगाल हरियाणा पंजाब यानी देश का कोई भी राज्य ऐसा नहीं जहाँ खासकर शहरों व कस्बों में जाम न लगते हों।

भोजन की गुणवत्ता और शैली, दोनों जरूरी

हृदयनारायण दीक्षित

आहार' व्यक्तित्व का आधार है। आहार पर भी देशकाल का प्रभाव होता है। ठंडी जलवायु वाले देशों में शरीर के ताप को विशेष स्तर पर बनाए रखने की जरूरत होती है। ऐसे देशों में अधिक ऊष्मा देने वाले आहार का चलन होता है। प्राचीन भारत में आहार की दृष्टि से व्यापक चिंतन हुआ है। अन्न ही काया का निर्माता है, इसी से ऊर्जा है, इसी से प्राण और जीवन भी। वैदिक समाज ने भोजन का गहन विवेचन किया है, ''वैदिक काल में आर्यों के मुख्य भोज्य पदार्थ अन्न, कन्द, मूल, फल, दूध और घृत थे। ब्रीहि, यव, तिल माश–उड़द, सरसों और गन्ने का उल्लेख मिलता है। तंदुल का उल्लेख भी है। यह चावल है। उबाले गए तण्दुलों को 'ओदन' कहते थे।'' उन्होंने ऋग्वेद में 'क्षीरपाकमोदनम्'–दूध में पकाए चावल का भी उल्लेख किया है। छान्दोग्य उपनिषद् में आहार को मुक्तिदाता कहा है। कहते हैं कि आहार शुद्धि से सत्व–सिद्धि होती है। सत्व सिद्धि से सुंदर स्मृति मिलती है। स्मृति से तत्व ज्ञान मिलता है और तत्वज्ञान से मुक्ति मिलती है। आहार शुद्धि के लाभ महत्वपूर्ण हैं।

भोजन की गुणवत्ता जरूरी है और भोजन शैली की भी। शतपथ ब्राह्मण व तैत्तिरीय ब्राह्मण के अनुसार तब भोजन दो बार किया जाता था। बैठ कर भोजन की परंपरा थी। ऋग्वेद में भोजन की स्तुति भी है। ब्रह्म पुराण के अनुसार घोड़ा, गाड़ी, मंदिर, बिस्तर पर भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन के शिष्टाचार भी प्राचीन साहित्य में हैं। जैसे पंक्ति में प्रथम स्थान पर आग्रह के बाद ही बैठना चाहिए। सबके साथ ही उठना चाहिए। भविष्य पुराण में निषिद्ध भोजन के उल्लेख हैं। गंदे हाथों से परोसा गया, कुत्तों आदि से छुआ गया भोजन दुष्ट कहा गया है। बासी, दुर्गंध युक्त भोजन या बच्चा देने के 10 दिन के भीतर का गोदूध 'कालदुष्ट' कहा गया है।

शरीर, मन, बुद्धि और प्रज्ञा के निर्माण में अन्न की भूमिका है। तैत्तिरीय उपनिषद् में वरूण द्वारा पुत्र भृगु को दिया गया उपदेश है। भृगु ने पिता वरूण से ब्रह्म की जिज्ञासा की। वरूण ने कहा, ''अन्न, प्राण, नेत्र, कान, मन और वाणी ब्रह्म प्राप्ति के द्वार हैं।'' भृगु ने निश्चय किया ''अन्न ब्रह्म है–अन्नं ब्रह्ममेति व्यजनत। प्राणी अन्न से बढ़ते हैं। मृत्यु के बाद अन्न क्षेत्र पृथ्वी में समा जाते हैं।'' अन्न महत्वपूर्ण है। भौतिकवादी उपनिषद् साहित्य को अंधविश्वासी, भाववादी बताते हैं। वे वैदिक साहित्य का दार्शनिक यथार्थवाद नहीं देखते।

एक मंत्र में कहते हैं ''यह व्रत संकल्प है कि अन्न की निन्दा न करें–अन्नं न निन्द्यात। अन्न ही प्राण है। प्राण ही अन्न है। यह शरीर भी अन्न है। शरीर और प्राण का अंतर्सम्बंध है। अन्न ही अन्न में प्रतिष्ठित है। जो यह जान लेता है, वह महान हो जाता है–महान् भवति, महानकीर्त्या। (7वां अनुवाक) फिर बताते हैं ''यह व्रत है कि अन्न का अपमान न करे–अन्नं न परिचक्षीत, तद् व्रतम्। जल अन्न है। जल में तेज है, तेज जल में प्रतिष्ठित है, अन्न में अन्न प्रतिष्ठित है। जो यह जानते हैं वे महान होते हैं, कीर्तिवान होते हैं।'' (8वां अनुवाक) फिर कहते हैं ''यह व्रत है कि खूब अन्न पैदा करे–अन्नं बहुकुर्वीत। पृथ्वी अन्न है, आकाश अन्नाद है। आकाश में पृथ्वी है, पृथ्वी में आकाश है। जो यह बात जानते है वे अन्नवान हैं, महान बनते हैं।'' (9वां अनुवाक)

उपनिषद् का अंतिम मंत्र बड़ा प्यारा है ''व्रत है कि घर आए अतिथि की अवहेलना न करें। अन्न का प्रबंध करें। अतिथि से श्रद्धापूर्वक कहे–अन्न तैयार है। ऐसा करने वाले के घर अन्न रहता है, मध्यम और साधारण रीति से इस कार्य करने वाले के घर साधारण अन्न भंडार ही रहता है।'' (10वां अनुवाक) यहां आहार का अर्थ अन्न है। उत्तरवैदिक काल की प्रश्नोपनिषद् (1.14) में अन्न को प्रजापति ब्रह्म बताया गया है–अन्नं वै प्रजापति। ऐतरेय उपनिषद् में कहते हैं, ''सृष्टि रचना के पूर्व 'वह' अकेला था, दूसरा कोई नहीं था। उसने सृजन की इच्छा की–स ईक्षत लोकान्नु सृजा इति। उसने लोक रचे। उसने लोकपाल रचे। फिर इच्छा की कि अब लोक और लोकपालों के लिए अन्न सृजन करना चाहिए। उसने अन्न बनाये। (खण्ड 2 से खण्ड 3 तक) योगसूत्र बहुत बाद में रचे गये। उपनिषदों में शरीर अन्नमय कोष है। योग सूत्रों में भी शरीर को अन्नमय कोष कहा गया। भारत में अतिप्राचीन काल से अन्न ही प्रमुख भोजन रहा है। चरक संहिता में आहार जीवों का प्राण कहा गया है–''वह अन्न–प्राण मन को शक्ति देता है, शरीर की सम्पूर्ण धातुओं व बल वर्ण और इन्द्रियों को प्रसन्नता देता है।'' आहार शुद्धि का ध्यान रखा जाना चाहिए। बताते हैं ''भोजन से उदर पर दबाव न पड़े, हृदय की गति पर अवरोध न हो, उदर में क्रूरता न हो, इन्द्रियां (भी) तृप्त रहें।'' गीता में सत्व, रज और तम के अनुसार भोजन को तीन प्रकार का बताया गया, लेकिन चरक की स्थापना है ''सत्व, रज और तम के प्रभाव में मन तीन तरह का दिखाई पड़ता है परन्तु वह एक है।'' मन बड़ा कारक है। मनोनुकूल स्थान पर भोजन करने के अतिरिक्त लाभ हैं, ''मन–अनुकूल स्थान पर भोजन से मानसिक विकार नहीं होते। मन के अनुकूल स्थान और मनोनुकूल भोजन स्वास्थ्यवर्द्धक हैं।'' (वही 559)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने मोटे अनाज की खेती को महत्व दिया है। मोदी की पहल के चलते पूरी दुनिया में वर्ष 2023 को 'मिल्लेट्स वर्ष' घोषित किया गया था। भूख स्वाभाविक इच्छा है। यह हमारी योजना का परिणाम नहीं है। भोजन बिना शरीर नहीं चलता। सो प्रकृति ने हम सबके शरीर में 'भूख' नाम की इच्छा जोड़ी है। मैं अपने सहायक दल के साथ उत्तर प्रदेश में प्रवास पर था। भूख लगी थी। मैं सड़क के किनारे ढाबे की खोज में था। स्थानीय पुलिस ने मुझे एक सुंदर होटल तक पहुंचाया। ठेठ ग्रामीण क्षेत्र वाले होटल में भी मैनेजर ने मिक्स वेज अंग्रेजी टाइप भाषा में खाद्य पदार्थों के नाम बताए। टमाटर को पानी में उबाल कर मसाला मिलाकर बने रस को 'टोमैटो सूप' कहना उचित है। पर इसके गाढ़ेपन का राज क्या? मन में प्रश्न उठे कि इसमें कुछ मिलाया तो नहीं गया? उसने पिज्जा–फिज्जा जैसी अनेक चीजों का प्रस्ताव किया। गांव–देहात में भी इटली, यूके और अमेरिका की अनुभूति थी। पिज्जा के बारे में सुना है कि यह भोजन से बचे अवशेषों को गरीबों को खिलाने के लिए एक ब्रेड पर रखा गया उच्छिष्ट है।

आधुनिक काल में भारत में भी भोजन सम्बंधी प्राचीन ज्ञान खारिज कर दिया गया है। फास्ट फूड का जमाना है। मांसाहार के नये तरीके आये हैं। शराब की खपत बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि नये–नये रोग बढ़े हैं। तनाव बढ़े है। क्रोध बढ़ा है, क्रोधी बढ़े हैं। क्या हम भारतवासी छोटे नकलची हैं? हम दूसरे देशों के वैज्ञानिक शोध, अध्ययन और ज्ञान विज्ञान की नकल नहीं करते। ज्ञान–विज्ञान में हम दुनिया से प्रेरित नहीं होते लेकिन उनके भोजन, हैप्पी क्रिसमस या हैप्पी न्यू इयर का पट्टा बांधे आधुनिक हो जाने की गलतफहमी में हैं। आधुनिक होना ही है तो पढ़ाई–लिखाई को अद्यतन बनाना चाहिए और संस्कारों को पुनर्नवा शक्ति देनी चाहिए। खेद है कि भारत में भी विदेशी का प्रभाव है और भारतीय भोजन का अभाव।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

साझा संस्कृति के सरल संत थे जैन मुनि श्री सुदर्शन लाल

विनोद बंसल

भारतीय चिंतन में संतों का सर्वोच्च स्थान है। जब कोई व्यक्ति अपने सांसारिक सुखों को त्याग कर आध्यात्मिक जगत के अन्वेषण में लग जाता है या यूं कहें लोक कल्याण हेतु अपने सारे जीवन की सुख–सुविधाएं छोड़ स्वयं को प्रभु को समर्पित कर देता है तब वह संत कहलाता है। हमने अपने जीवन में अनेक ऐसे संतों को सुना, दिखा और उनसे प्रेरणा ली होगी जो काम, क्रोध, लोभ अहंकार इत्यादि पर नियंत्रण कर समाज को प्रेरणा देते रहे। लेकिन, ऐसे संत आज के जमाने में विरले मिलते हैं जिन्होंने जीवन में कभी माइक या लाउडस्पीकर का प्रयोग किया। पंखे, कूलर, एसी का प्रयोग नहीं किया। चारपहिया गाड़ी की तो बात अलग, साइकिल और बैलगाड़ी तक में यात्रा नहीं की। बिजली से चलने वाले किसी प्रकार के यंत्र–सुविधाओं का जीवन में कभी प्रयोग नहीं किया। पैरों में जूते–चप्पल छोड़िए, खड़ाऊ तक नहीं पहनीं। सत्य निष्ठा का पालन और प्रतिवर्ष वर्षाकाल के चातुर्मास को छोड़ शेष 8 महीनों में एक स्थान पर एक महीने से अधिक वे रुके नहीं। ऐसे थे उनके कठोर सिद्धांत। इसके बावजूद, चाहे उत्तर भारत की झुलसा देने वाली गर्मी हो या हड्डियों तक को कंपकंपा देने वाली पहाड़ों की भीषण सर्दी, 25000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा उन्होंने नंगे पांव पैदल चल कर जनता को धर्म, आध्यात्मिक और समाज जीवन के मूल्यों के प्रति जागृत, प्रेरित और संवेदनशील बनाया। ऐसे थे जैन मुनि श्री सुदर्शन लाल जी महाराज।

4 अप्रैल 1923 को रोहतक के सनातनी वैष्णव परिवार में जन्मे महाराज श्री का नाम ही परिजनों ने ईश्वर रखा था। ईश्वर यानी सर्वधार, सर्वगुण संपन्न, न्यायकारी, दयालु, निर्विकार, अभयकारी, समदर्शी और सबका कल्याण करने वाला। उन्होंने अपना यह नाम वास्तव में सार्थक किया। पूरा जीवन ईश्वर की आराधना व ईश्वरीय गुणों के प्रचार और जीवों के प्रति करुणा, संवेदना और उत्थान में लगा दिया। अपने 76 वर्षों के जीवनकाल में यूं तो शुद्ध शाकाहारी भोजन, अखंड ब्रह्मचर्य का पालन, सूर्यास्त के पश्चात भोजन–पानी की तो बात अलग, दवाई तक का सेवन नहीं किया। किसी प्रकार की धन–संपदा, बहुमूल्य वस्तु, जमीन–जायदाद या बैंक खाता इत्यादि नहीं रखा।

बेहद दुबला–पतला शरीर होने के बावजूद वृद्ध और रोगी वरिष्ठ संन्यासियों की घंटों तक पांव दबा कर और मालिश आदि से सेवा करने में वे कभी थके नहीं। वे जीवन में कभी किसी कॉलेज या विश्वविद्यालय नहीं गए किंतु आश्चर्य है कि वे अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, प्राकृत, उर्दू व फारसी जैसी 10 भाषाओं के मर्मज्ञ थे। अपना परिवार नहीं बनाया किंतु परिवारों के बनने–बिगड़ने के कारणों की गहन सूझबूझ के कारण उन्होंने अनेक परिवारों को टूटने से बचाया। मात्र 4 वर्ष की आयु में मां के दिवंगत हो जाने के कारण वे स्वयं तो मां के प्यार से सदैव वंचित रहे किंतु, हजारों भक्तों को उन्होंने मां जैसा प्यार दिया। वे स्वयं के दुखों पर कभी नहीं रोए किंतु जिस भक्त ने अपना दर्द अश्रुपूर्ण भाव से उनके चरणों में व्यक्त किया, उसके दुखों को उन्होंने जरूर हर लिया। जीवन में कभी बीपी, शुगर व हृदय संबंधी कोई रोग उनके दूर–दूर तक नहीं फटकीं क्योंकि उनकी जीवनचर्या और भोजन बेहद संयमित थे। वे कहते थे कि व्यक्ति को विवेक और धैर्य सदैव जागृत रखने चाहिए। युवाओं के लिए उन्होंने कहा कि ऊंची उड़ान भरो किंतु पांव जमीन पर रखो। वृद्धावस्था के लोगों को एक संदेश उन्होंने दिया कि स्वयं से जुड़ो और दूसरों से बचो अर्थात परिवार में न्यूनतम हस्तक्षेप करो। उन्होंने कहा कि जवानी, धन, पद और विवेक इन चारों में से यदि किसी एक पर भी अंकुश नहीं रखा तो विनाश हो सकता है। यदि अपनी अहं भावनाओं को नियंत्रण रखोगे तो क्रोध स्वयं नियंत्रित हो जाएगा। एक पर्यावरण विशेषज्ञ की भांति वे समझाते थे कि वाहनों और फैक्ट्री में तेल की बढ़ती खपत और भोजन में मांसाहार की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण वातावरण में विषैली गैसें यानी ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ती जा रही है जिससे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इसे रोकना बहुत जरूरी है। राष्ट्रभक्ति, करुणा और समाजसेवा के विचार का बीजारोपण तो उनके बचपन में ही हो गया था। एक बार बिहार के बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु उन्होंने अपनी गुल्लक तोड़ कर सारी जमा राशि उसके लिए दे दी थी। 1947 में भारत विभाजन के समय उन्होंने अपने प्रेम और सौहार्द भरे प्रवचनों के माध्यम से आसपास के क्षेत्र में बढ़ती द्वेष भावना को रोकने में अहम भूमिका निभाई। वह एक समाज सुधारक की भांति दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या और जातिगत भेदभाव के प्रबल विरोधी थे। उन्होंने असंख्य टूटे परिवारों को जोड़ा और अपने भक्तों और उनके परिजनों को मृत्यु के उपरांत नेत्र और देहदान की सदैव प्रेरणा देते रहे। स्वशिक्षा, स्वदेशी, स्वच्छता और सदाचार उनके जीवन में तो सदैव साथ रहा ही किंतु, उनके भक्तों ने भी बड़ी संख्या में अंगीकार किया। वह कहते थे कि खूब कमाओ किंतु उसका कुछ हिस्सा जरूरतमंदों की सेवा में अवश्य लगाओ। संस्कार बचपन से ही बच्चों में डालो। आत्म निरीक्षण करो अपनी गलतियों को मानो, सुधारो और उनको दोहराने से बचो। जाति, मत, पंथ, संप्रदाय, रंग, भाषा, भूषा, भोजन, शिक्षा या क्षेत्र के आधार पर किसी भी प्रकार के विभाजन के वे प्रबल विरोधी थे।

ऐसे महान पूज्य संत ने अपने जीवन में तो असंख्य लोगों को प्रेरणा देकर उपकृत किया ही, 25 अप्रैल 1999 को उनके देवलोक गमन के बाद भी उनकी शिक्षाएं और जीवन शैली चिरकाल तक अनगिनत लोगों के जीवन को प्रकाश पुंज बन कर आलोकित करती रहेंगी। एक महा मानव को कोटि कोटि नमन..।

भारतीयता के लिए राजाओं के योगदान को स्वीकारें राहुल गांधी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने हालिया छपे एक लेख को लेकर चर्चा में हैं, वे जब बोलते हैं, तो अक्सर कुछ ऐसा बोल देते हैं, कि लोग उनकी आलोचना किए बगैर नहीं रहते, जब वे लिखते हैं तो उसमें भी वह कुछ ऐसा जरूर लिख देते हैं कि लोगों के बीच नकारात्मक अर्थों में वे चर्चा का विषय जरूर बने। अब यह इस देश की मजबूरी हो सकती है कि सभी को उन्हें सुनना और पढ़ना पड़ता है, वह इसलिए कि वे केंद्रीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस वक्त नेता प्रतिपक्ष हैं। देश के कई राज्यों में उनकी पार्टी मुख्य विपक्षी पार्टी है और कुछ में सत्ता में है। राहुल का जन्म ही सत्ता के बीच ऐसे परिवेश और परिवार में हुआ है, जिसे कई दफे ना चाहते हुए भी सुनना हर भारतीय की मजबूरी हो सकती है। इसलिए वे कई बार वह लिख और बोल जाते हैं जो उन जैसे अति महत्व के पद पर बैठे हुए व्यक्ति को शोभा नहीं देता है। क्योंकि जो नफरती नैरेटिव वह गढ़ रहे हैं, उसका यदि कभी कहीं कोई नुकसान हुआ तो वह देश को भुगतना पड़ेगा। इस वक्त राहुल गांधी की सर्वत्र चर्चा सुनने को मिल रही है और यह चर्चा कोई सकारात्मक संदर्भ में नहीं हो रही, अपने लिखे एक लेख के जरिए उन्होंने जिस तरह से देश के राजा–महाराजाओं को कटघरे में खड़ा किया है, उससे इतना तो साफ हो गया है कि उन्हें भारतीय इतिहास का बहुत ज्ञान नहीं हैं, अन्यथा जो उन्होंने अपने लेख में लिखा है वह वे कभी नहीं लिखते। राहुल गांधी ने सभी राजा–महाराजाओं को एक ही श्रेणी में खड़ा कर दिया है, जो पूरी तरह असत्य है। भारत की स्वाधीनता में कई राजाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, बल्कि स्वाधीनता के बाद जिन्ना जब भारत की तमाम रियासतों को अपने में मिलाने के लिए उन पर डोरे डाल रहे थे, तब ग्वालियर के सिंधिया परिवार समेत कई राज परिवार ऐसे थे, जिन्होंने जिन्ना को उनका स्थान दिखा दिया और कई अन्य राजपरिवारों को भारत में सम्मिलित होने के लिए तैयार किया था। लेकिन राहुल गांधी आज अपने लेख में क्या लिख रहे हैं, ''भारत के राजघरानों को ईस्ट इंडिया कंपनी ने चुप करा दिया था। यह अपनी व्यापारिक ताकत से नहीं, बल्कि अपनी पकड़ से चुप करा दिया था। कंपनी ने हमारे अधिक दब्बू महाराजाओं और नवाबों के साथ साझेदारी करके, उन्हें रिश्वत देकर और धमका कर भारत का गला घोंट दिया। इसने हमारे बैंकिंग, व्यापार और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित किया। हमने अपनी स्वतंत्रता किसी दूसरे देश के हाथों नहीं खोई; हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम के हाथों खो दिया जो एक दमनकारी तंत्र चलाता था।''

वास्तव में राहुल गांधी आज जहां जो लिख रहे हैं, उस पर गहराई से विचार किया जा सकता है, यह कितना सच है? क्या भारत के सभी शासन एक समान थे? परतंत्र होते हुए भी कई जगह इन शासकों ने लगातार अंग्रेजों से लोहा लिया है और यह क्रम सतत 1947 स्वाधीनता पूर्व तक यथावत मिलता है। इसके आज कई साक्ष्य भी मौजूद हैं, फिर भी क्या राहुल गांधी द्वारा किसी गंभीर विषय का सरलीकरण करके सभी को एक समान मानना सही है। स्वाधीनता पूर्व के राजा–महाराजा दब्बू थे या अपने समय, काल और परिस्थितियों में अति योग्य, यह राहुल गांधी आज किस आधार पर तय कर सकते हैं, वह भी एक धारणा सभी के लिए? ऐसे में सोचने में यही आ रहा है कि कल तक ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे थे, आज उनका यह लेख पढ़ कर ज्योतिरादित्य सिंधिया को यह जरूर लगा होगा कि अच्छा हुआ वे कांग्रेस छोड़ आए और आज राहुल गांधी के साथ नहीं खड़े हैं।

उनकी आई यह सख्–त टिप्पणी भी इस ओर ही इशारा करती है, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी के लेख को पढ़कर बोला है, ''नफरत बेचने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। राहुल गांधी की भारत की समृद्ध विरासत के बारे में अज्ञानता और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता ने सभी हदें पार कर दी हैं। यदि आप राष्ट्र के उत्थान का दावा करते हैं तो भारत माता का अपमान करना बंद करें और महादजी सिंधिया, युवराज बीर टिकेंद्रजीत, कित्तूर चेन्नम्मा और रानी वेलु नचियार जैसे सच्चे भारतीय नायकों के बारे में जानें, जिन्होंने हमारी स्वतंत्रता के लिए जमकर लड़ाई लड़ी। स्वयं के विशेषाधिकारों के बारे में आपकी चुनिंदा भूल उन लोगों के लिए अन्याय है, जो वास्तव में प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं, आपकी असहमति केवल कांग्रेस के एजेंडे को और उजागर करती है, राहुल गांधी आत्मनिर्भर भारत के चैंपियन नहीं हैं, केवल एक पुराने अधिकार के उत्पाद हैं! भारत की विरासत 'गांधी' शीर्षक से शुरू या समाप्त नहीं होती है। केवल पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही हमारे असली योद्धाओं की कहानियों का जश्न मनाया जा रहा है! भारत के इतिहास का सम्मान करें या उसके लिए बोलने का दिखावा न करें!''

देखा जाए तो ज्योतिरादित्य सिंधिया सही कह रहे हैं, इस संदर्भ में थोड़ा इतिहास भी देख लेना चाहिए, ''जिन्ना राज्यों के विलय के विरोधी थे और उन्होंने कुछ सीमावर्ती राज्यों को पाकिस्तान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए लुभाने की पूरी कोशिश की। एक विशिष्ट मामला जोधपुर के महाराजा और जैसलमेर के महाराज कुमार का था, जिन्हें जिन्ना ने आमंत्रित किया था। बातचीत के दौरान, जिन्ना ने एक खाली कागज पर हस्ताक्षर किए और इसे जोधपुर के महाराजा को देते हुए कहा, 'आप अपनी सभी शर्तें भर सकते हैं।' महाराजा को प्रलोभन दिया गया और उन्होंने महाराज कुमार की ओर रुख किया, जिन्होंने जिन्ना से कहाः यदि मेरे राज्यों में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच कोई विवाद होता है तो मैं हिंदुओं के खिलाफ मुसलमानों का पक्ष नहीं लूंगा।' जादू टूट गया, जिन्ना के पास कोई जवाब नहीं था। शासक अपने राज्यों में वापस लौटे और पाया कि उनके सामंत और रईस पाकिस्तान के साथ किसी भी समझौते का हिंसक विरोध कर रहे थे''**(संदर्भ– कांग्रेस संदेश, 06 अक्टूबर 2022, लेख– सरदार पटेल और राज्यों का एकीकरण, कैप्टन प्रवीण डावर)**

यहां ये कुछ अन्य उदाहरण देखे जा सकते हैं– जीवाजी राव सिंधिया, उन पांच राजाओं में शुमार थे, जिन्होंने सबसे पहले अपनी रियासत का भारत में विलय किया था। वीपी मेनन अपनी किताब 'स्टोरी ऑफ द इंटीग्रेशन ऑफ इंडियन स्टेट्स' में लिखते हैं कि ग्वालियर के महाराजा जीवाजी राव ने न सिर्फ सबसे पहले ग्वालियर के विलय का ऐलान किया, बल्कि तमाम दूसरी रियासतों की भारत में विलय में भी मदद की। मेनन आगे लिखते हैं कि जीवाजी राव ने दिसंबर 1946 में ऐलान कर दिया था कि वह एक जिम्मेदार सरकार के साथ खड़े रहेंगे और आजादी से 3 महीने पहले मई 1947 में ही आंतरिक सरकार और संविधान सभा को समर्थन की घोषणा की थी। यह एक तरीके से सरकार, विशेषकर सरदार पटेल के लिए राहत की बात थी। क्योंकि रियासतों के एकीकरण का जिम्मा पटेल के ही कंधों पर था। 15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ तो करीब 500 देशी रियासतों ने पंडित नेहरू की अगुवाई वाली सरकार को भारत के विकास के लिए 74 करोड़ रुपये दान दिए। दूसरी तरफ ग्वालियर राजघराने के महाराजा जीवाजी राव सिंधिया ने अकेले 54 करोड़ रुपए दान दिए थे। यही नहीं, उन्होंने सरकारी दफ्तर बनाने के लिए तमाम बेशकीमती बिल्डिंग और जमीन भी दान दी थी। स्वतंत्रता के बाद देश की संसद में तमाम स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरें लगाई गईं, जिसमें सरदार पटेल का चित्र भी शामिल है। संसद में वल्लभभाई पटेल की जो आदमकद तस्वीर लगी है, वह जीवाजी राव सिंधिया ने गिफ्ट की थी। स्वाधीनता के बाद देसी रियासतों के भारत में विलय के बाद राजा, महाराजा और निजाम आदि का दर्जा तो खत्म हो गया, लेकिन ग्वालियर राजघराने की लोकप्रियता को देखते हुए सरकार ने जीवाजी राव सिंधिया को राजप्रमुख का दर्जा दिया। ग्वालियर के जय विलास पैलेस में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में खुद पंडित नेहरू ने जीवाजी राव सिंधिया को शपथ दिलाई थी।

जिन डॉ. भीमराव आम्बेडकर का नाम संविधान निर्माता के रूप में बहुत सम्मान से लिया जाता है, यदि उनकी मदद करने एक महाराजा आगे नहीं आते, तो शायद आज उनका कोई उस रूप में नाम ही नहीं ले रहा होता और ना ही उनकी प्रतिभा कभी सभी के समक्ष आ सकती थी। डॉ. भीमराव आंबेडकर को विदेश में पढ़ाई करने में मदद बड़ौदा के महाराजा सायाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने की थी। महाराजा ने आम्बेडकर को विदेश में रहने का भी प्रबंध किया था। उन्होंने ने ही आम्बेडकर को "बाबा साहेब" की उपाधि दी थी। ज्योतिबा फुले, दादाभाई नौरोजी, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविंद समेत कई हस्तियों को महाराजा सायाजीराव ने आर्थिक मदद दी थी। इसके साथ ही राज्य में लड़कियों के शिक्षा पर ध्यान देते हुए कई स्कूल खोले और प्राइमरी शिक्षा मुफ्त करने के साथ अनिवार्य कर दी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मिथिला के दरभंगा राज परिवार के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। महाराजा लक्ष्मेश्वर सिंह ने अपने जीवनकाल के दौरान कांग्रेस के पोषण के लिये बहुत योगदान दिया। ब्रिटिश शासन के दौरान 1892 में जब कांग्रेस अपना अधिवेशन इलाहाबाद में रखना चाहती थी, तब सरकार ने उन्हें किसी सार्वजनिक स्थान का प्रयोग करने से मना कर दिया था, तब महाराजा ने जमीन खरीद कर उसे कांग्रेस को अपना वार्षिक अधिवेशन करने के लिये दे दिया था। अतः कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन 1892 में लोथर कैसल के मैदान में आयोजित किया गया था। इस प्रकार महाराजा ने स्वतंत्रता संग्राम को हर तरीके से आर्थिक एवं नैतिक मदद पहुँचाने की कोशिश की। लक्ष्मेश्वर सिंह के लाभार्थियों में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, अबुल कलाम आजाद, सुभाष चन्द्र बोस एवं महात्मा गाँधी जैसे स्वतंत्रता आंदोलन के दिग्गज शामिल थे।

स्वामी विवेकानंद ने 11 सितंबर, 1893 को शिकागो में विश्व धर्म महासभा में भाषण दिया था, उनका यह भाषण आज भी ऐतिहासिक माना जाता है और भारतीय सनातन धर्म एवं संस्कृति की ध्वजपताका फहराता है। वास्तव में डॉ. आम्बेडकर की तरह ही स्वामी जी का इस धर्म संसद में वक्तव्य देने की मंशा भी संभवतः अधूरी रह जाती और जो स्वामी एक सूर्य की भांति चमके एवं पूरे विश्व पर एक पल में ही भारतीय ज्ञान का प्रभाव छा गया, यह श्रेष्ठ कार्य पूर्ण नहीं हो पाता यदि खेतड़ी के महाराजा अजीत सिंह ने स्वामी विवेकानंद को शिकागो जाने में मदद न की होती। वे अजीत सिंह ही थे, जिन्होंने विवेकानंद को वित्तीय सहायता दी थी। उन्होंने ही विवेकानंद को शिकागो में विश्व धर्म संसद में बोलने के लिए प्रोत्साहित किया था। अजीत सिंह ने ही विवेकानंद को 'विवेकानंद' नाम सुझाया था, इसका मतलब है, "विवेकपूर्ण ज्ञान का आनंद।"

बीएचयू की स्थापना साल 1916 में हुई थी, इसकी स्थापना में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के साथ ही दरभंगा राज के महाराजा रामेश्वर सिंह और नारायण वंश के प्रभु नारायण सिंह और आदित्य नारायण सिंह का योगदान रहा था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के लिए ज़मीन काशी नरेश प्रभु नारायण सिंह ने दान की थी। इसी प्रकार से अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के लिए जमीन देने वाले राजा महेंद्र प्रताप सिंह थे। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम तो पूरा का पूरा ही तत्कालीन राजा–रानी, महाराजों के सहयोग से अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ा गया था। अतः ऐसे एक नहीं अनेकों नाम राजा–रानी, राजकुमार–राजकुमारियों के भारतीय इतिहास में ज्ञात हैं, जिन्होंने कभी भी अंग्रेजों के अधिनायकवाद का समर्थन नहीं किया। तत्कालीन परिस्थितियों में अपने राज्य की जनता के हित को देखते हुए जो समझौते करने पड़े, वह किए अवश्य, लेकिन जरूरी नहीं कि सब के सब राजा–महाराजा उन अनुबंधों से सहमत ही थे। इस पर भी उनका ध्यान अपने राज्य की जनता का पूरी तरह से हित चिंतन एवं उसके लिए कार्य करते रहने में ही बीता है। राहुल गांधी को ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरह ही भारत के राज परिवारों में शुमार होने वाले विक्रमादित्य के द्वारा बहुत सटीक जवाब मिला है। वे कहते हैं, ''यह लेख राहुल गांधी की इतिहास की सतही समझ को दर्शाता है। महाराजाओं के योगदान और भूमिका को ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रति केवल "प्रशंसक" तक सीमित नहीं किया जा सकता है। कई महाराजाओं को शासन करने के लिए तैयार राज्य नहीं सौंपे गए थे, बल्कि उनकी शुरुआत साधारण मूल के किसानों और सैनिकों से हुई थी, जिन्होंने अपने क्षेत्रों और बाद के राज्यों को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की और कई लड़ाइयां लड़ीं।'' विक्रमादित्य सिंह ने उदाहरण देते हुए लिखा, ''महाराजा गुलाब सिंह ने एक पैदल सैनिक के रूप में शुरुआत की और अपनी सेना का नेतृत्व किया। उन्होंने अंततः भारत को जम्मू, कश्मीर और लद्दाख राज्य का उपहार देने के लिए अपने खून और जीवन का बलिदान दिया। जम्मू–कश्मीर के महाराजा हरि सिंह 1930 में ब्रिटिश राजधानी लंदन में गोलमेज सम्मेलन में स्वतंत्र भारत की मांग को उठाने वाले पहले व्यक्ति थे।'' राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी राहुल गांधी को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वे कहती हैं, ''मैं आज एक संपादकीय में भारत के पूर्व शाही परिवारों को बदनाम करने के राहुल गांधी के प्रयास की कड़ी निंदा करती हूं। एकीकृत भारत का सपना भारत के पूर्व राजपरिवारों के सर्वोच्च बलिदान के कारण संभव हो सका है, ऐसे ऐतिहासिक तथ्यों की आधी–अधूरी व्याख्या के आधार पर लगाए गए निराधार आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।''

ग्राम बिलवा कलां में रिंग रोड की 30 मीटर सर्विस रोड़ सीमा को करवाया कब्जा अतिक्रमण मुक्त

कैलाश चन्द्र बिश्नोई, पुलिस उप महानिरीक्षक,जविप्रा ने नवीन अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अपना सख़्त कानूनी रवैया

जोन-14:निजी खातेदारी करीब 38 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण

जयपुर।(खलील कुरैशी)

जोन-14 निजी खातेदारी करीब 38 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलानियों का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण। 1. प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांकः 09.11.2024 को जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मानपुरा टीलावाला,तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 20 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगर्त दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, प्लॉटों हेतु सीमेन्ट के ब्लॉक की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया

गया।जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गांव चारणवाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति अनुमोदन के एवं बिना मू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ₹बालाजी एन्कलेव द्वितीय' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी ग्रेवल सड़कें, प्लॉटॉ की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वा-रा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के

प्रयासू को विफल किया गया।

जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गांव गणेशपुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर के करीब 08 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की विना स्वीकृति अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल, सीमेन्ट के ट्री गार्ड व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया

गया।ग्राम बिलवा कलां में रिंग रोड की 30 मीटर सर्विस रोड सीमा को करवाया कब्जा अतिकमण मुक्त। 4. जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बीलवा कलां, तहसील सांगानेर में रिंग रोड़ की 30 मीटर सर्विस रोड़ सीमा पर करीब 27×105 फीट लम्बाई में कब्जा अतिक्रमण कर सीमेन्ट के पिल्लर गाड़कर, तारबंदी कर रोड़ सीमा को अवरूद्ध कर रखा था जिससे स्थानीय लोगों आम जन को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-14 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्कपोर्टल एवं जरिय मेल cce.jda@rajasthan.gov.in&enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत / परिवाद ड्ट प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

संक्षिप्त समाचार

बाड़मेर जिले में थाना धोरीमना पुलिस की कार्रवाई

- करीब 1 करोड रुपए कीमत का अवैध मादक पदार्थ सहित ट्रक जब्त, 6 क्विंटल से अधिक डोडा पोस्त बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर/बाड़मेर! (खलील कुरैशी) 9 नवंबर। जिले की धोरीमना थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी में एक ट्रक से 6 क्विंटल 60 किलो 900 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद कर आरोपी सोहन बिश्नोई पुत्र सद राम निवासी भलीसर थाना धोरीमन्ना एवं भजन लाल बिश्नोई पुत्र बालाराम निवासी शोभाला दर्शन थाना सेड़वा को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 1 करोड रुपए है।एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि अवैध मादक पदार्थो की तस्करी की रोकथाम के लिए जिले में ऑपरेशन भौकाल चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसा राम बोस के सुपरविजन में एसएचओ धोरीमना बगडू राम मय टीम द्वारा नेशनल हाईवे पर अरणियाली फाटा पर नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों की तलाशी ली जा रही थी।इसी दौरान टीम ने एक गुजरात नंबर के सन्दिग्ध ट्रक को रुकवा कर तलाशी ली तो पूरा ट्रक खाली नजर आया। गहनता से तलाशी ली गई। जिसमे बॉडी की संपूर्ण निचली सतह पर गुप्त खाने के अंदर डोडा पोस्त के कट्टे छुपाए हुए मिले। छुपाए हुए 53 कट्टों से पुलिस ने 6 क्विंटल 60 किलो 900 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। इस पर आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रक सहित मादक पदार्थ पुलिस ने जप्त कर लिया। पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों से मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है।

ऊनी वस्त्र पाकर खिले बच्चियों के चेहरे

चमकता राजस्थान। हिंडौन सिटी (राजवीर सिंह) मौसम में गिरावट के साथ बढ़ती गलन को देखते हुए आज गांव करई में बच्चियों को ऊनी कपड़े वितरण किए गए। सामाजिक कार्यकर्ता और रक्तदाता पुष्पेन्द्र गारूवाल ने बताया कि सर्दियों को देखते हुए जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र वितरण अभियान शुरू किया गया है जिसमें गरीब असहाय, विधवा सिलिकोसिस पीड़ित परिवार और बच्चों को गर्म वस्त्र वितरण किया जाएगा। इस मौके पर भाग्य सिंह मौर्य, हेमंत कुमार,रवि,कुणाल,संदीप आदि मौजूद रहे

भरतपुर में विकास के तमाम कार्यो की जरूरत

विकास के मुद्दों पर हुई चर्चा

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) भरतपुर में रोजगार आधारित विकास की सम्भावनाओं पर चर्चा करने तथा विकास के मुदें पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखने की बात को लेकर पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन और समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीता राम गुप्ता ' किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने बैठक कर जिले में खेती ' पथुपालन और उद्योगिक आधारित विकास की सम्भावनाओं पर विस्तार से विचार विर्मश किया गया ।

पंडित रामकिशन के आवास पर गत दिन हुई इस बैठक में कहा गया है कि भरतपुर में श्रम शक्ति और खेती आधारित रोजगार की प्रचुर सम्भावना है।

मिटिंग में कहा गया कि देश में भरतपुर सरसों उत्पादन में अग्रणी जिला हैं इसलिये सरकार को इसे सरसों उत्पादन जिला और पर्यटन मिला घोषित किया जाय। कृषि प्रधान जिले की बजह से कृषि विश्व विद्यालय की जरूरत है।

पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ' सीता राम गुप्ता और किसान नेता इन्दल सिंह ने कहा कि भरतपुर जिला देश में शहद उत्पादन में सबसे आगे है और बाणगंगा नदी

मुख्यमंत्री को लिखेंगे पत्र

' गम्भीर और रुपारेल में पानी आने के बाद डीग और भरतपुर जिला मछली पालन में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर सकता है क्योंकि यहाँ का पूराना सिंचाई व्यवस्था अनूठी है और दोनों जिले का जमीनी लेवल भी नीचा है। उन्होंने अतिरिक्त बाँध बनाने की भी जरूरत बताई तथा पुराने सभी बाँधों को दुरुस्त करने की मांग रखी ।

उन्होंने कहा कि एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के अन्तर्गत भी भरतपुर को हर तरह की सुबधाएं मिलनी चाहिये । मिले में बढ़ती जा रही नौजबानों मे बेरोजगारी और पलायन चिन्ता का विषय है सरकार और जनप्रतिनिधों को मिलकर भरतपुर के उद्योगिकरण के लिये प्रयास करने चाहिये ताकी यह जिला भी विकास की दौड़ में शामिल हो सके । केबलादेव राष्ट्रीय उद्यान और कृषि को पानी का माकुल प्रबंध जरूरी है तथा प्रदूषण के खतरे को ध्यान मे रखकर जिले में छोटे छोटे कारखानें स्थापित होने चाहिये । उन्होंने कहा कि पाँचना बाँध के पानी का भी शीघ्र बँटबारा और गम्भीर नदी को बाणगंगा नदी से जोड़ने का कार्य होना चाहिये । उन्होंने सिंचाई पानी के साथ साथ जिले भर में बढ़ते पेयजल संकट पर भी चिंता जताते हुऐ कहा कि अब तो लोग पैसे से पानी खरीद कर पीने को मजबूर है और सम्पूर्ण जिले में पानी बेचने का गौरख धन्धा लगातार फलता फूलता जा रहा है , जो लोग पानी खरीद कर प्यास बुझाते है सम्बंधित विभाग को उस पानी की भी जाँच करनी चाहिये कहीं वो पानी स्वास्थ्य के लिये हानिकारक तो नहीं है ।

बाड़मेर जिले में थाना रीको पुलिस की कार्रवाई

10 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार :

- अपहरण के मामले में सात महीनों से चल रहा था वांछित, थाना स्तर पर टॉप 10 वांटेड की सूची में है शामिल

चमकता राजस्थान। जयपुर/बाड़मेर (खलील कुरैशी) 9 नवंबर। जिले की रीको थाना पुलिस ने अपहरण व मारपीट के मामले में सात महीनों से थाना कोतवाली में वांछित इनामी हिस्ट्रीशीटर नरसिगाराम जाट पुत्र कंवरा राम निवासी बेरीवाला गांव कुडला थाना रीको क्षेत्र को करीब 2 किलोमीटर पैदल पीछा कर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि जिले में वांछित अपराधियों की धर पकड़ के लिए ऑपरेशन धर कर भर चलाया जा रहा है। गिरफ्तार हिस्ट्री शीटर नरसिगाराम थाना कोतवाली में दर्ज अपहरण एवं मारपीट के प्रकरण में करीब 7 महीनों से फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए 10000 की इनाम की घोषणा कर इसे थाना स्तर पर टॉप 10 वांटेड की सूची में शामिल किया गया। आरोपी हिस्ट्रीशीटर के विरुद्ध गंभीर प्रकृति के 11 आपराधिक प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज है।लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसाराम बोस व सीओ रमेश कुमार शर्मा के सुपरविजन एवं एसएचओ रीको मनोज सामरिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा तकनीकी सहयोग, आसूचना संकलन व मुखबिर की मदद के अनुसार हिस्ट्रीशीटर की तलाश में उसके ठिकाने शिवकर में दबिश दी। पुलिस की भनक लगते ही आरोपी भागने लगा, करीब 2 किलोमीटर तक पीछा कर टीम ने आरोपी को दबोच लिया। थाना कोतवाली में वांछित होने से आरोपी से थाना पुलिस द्वारा अग्रिम अनुसंधान व पूछताछ की जा रही है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी के कुशल निर्देशन में जेडीए द्वारा युद्ध स्तर पर करवाए जा रहे हैं विकास कार्य

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 09 नवम्बर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 (09 से 11 दिसम्बर) को पूर्ण सफल बनाने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा युद्धस्तर पर जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में तीव्रगति से विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बताया कि जेडीए द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अंतर्गत करवाए जा रहे विकास कार्यों के अंतर्गत नाहरगढ़ रोड पर नवीनीकरण कार्य, आमेर रोड पर सड़क मरमत्तीकरण कार्य, दिल्ली

रोड पर सड़क पर मिट्टी/मलबे हटाने का कार्य, अजमेर रोड पर नवीनीकरण कार्य उपरांत कर्व स्टोन एवं फुटपाथ रिपेयर, रंग-रोगन, रेलिंग पर पेंट का कार्य एवं इंडिया गेट, जोरावर सिंह गेट पर मरमत्तीकरण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही जेडीए द्वा-रा बालाजी मोड़ पर मिलिंग कर सड़क सुधारीकरण कार्य प्रगति पर है। रामगढ़ मोड, धोबी घाट सर्कल पर नवीनीकरण कार्य, बंबाला पुलिया पर रंग-रोगन कार्य करवाया गया है तथा दिल्ली रोड पर मशीन द्वारा कर्व स्टोंस कास्ट का कार्य करवाया जा रहा है। इसके साथ ही जिन सड़कों एवं क्षेत्र में नवीनीकरण कार्य गत दिनों ही किया गया है, वहां शीघ्र ही थर्मोप्लास्टिक पेंट, जेब्रा क्रॉसिंग, रोड फर्नीचर इत्यादि कार्यों की तैयारियां लगभग पूर्ण की जा चुकी है।जेडीए द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण जंक्शन के ट्रेफिक सुधारीकरण कार्य भी किए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ सड़कों से अतिक्रमण से हटाने की कार्यवाही भी निरंतर की जा रही है।जनपथ पर थर्मोप्लास्टिक पेंट कार्य प्रगति पर है, आरोग्य पथ पर कंपाउंड वॉल पर पेंट करवाया जा रहा है, कठपुतली नगर की दीवार पर रंग-रोगन का कार्य करवाया जा रहा है, अमर जवान ज्योति के अपग्रेडेशन का कार्य भी किया जा रहा है। आमेर रोड पर बंबू मास्किंग की जा रही है, महल रोड पर थर्मोप्लास्टिक कार्य और कर्व पेंटिंग कार्य प्रगति पर है। जेडीसी ने बताया कि जेडीए द्वारा समयबद्ध रूप से प्लानिंग अनुसार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। समस्त कार्य तीव्रगति से करवाये जा रहे है।

उप चुनाव भाजपा को सबक सिखाने का एक मौका :डोटासरा

चमकता राजस्थान

(अत्री कुमार दाधीच)जयपुर, 09 नवम्बर। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा आज खींवसर विधानसभा क्षेत्र के चुनावी दौरे पर रहे तथा खींवसर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी के समर्थन में खींवसर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित किया।

जनसभा को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि तेजाजी महाराज की जन्मस्थली-कर्मस्थली खींवसर में सबके बीच उपस्थित होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि मंचासीन सवाई सिंह चौधरी हमेशा से जनसेवा में जुटे रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेत-खलियानों में कृषि का कार्य कर रहे लोगों के साथ ही समस्त खींवसर वासियों की खुशहाली के लिए सदैव तत्परता के साथ उन्होंने कार्य किया है और क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि विधायक हरेन्द्र मिर्धा, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष जाकिर हुसैन गैसावत, पूर्व मंत्री श्रीमती मंजू मेघवाल, पूर्व विधायक महेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक चेतन डूडी, विधायक मुकेश भाकर जिन्होंने अपने संघर्ष से नाम कमाया आज आप सभी के बीच कांग्रेस पार्टी के लिए वोट मांगने आए हैं। विधायक पूसाराम गोदारा, विधायक श्रीमती शिमला नायक भी आज आप आपके बीच कांग्रेस पार्टी के लिए वोट मांगने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह तेजाजी की धरती है, किसान केसरी बलदेव राम मिर्धा जी की धरती है। उन्होंने कहा कि यह धरती नाथूराम मिर्धा जी और रामनिवास मिर्धा जी की कर्मस्थली रही है, जिसको नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज किसानों को अपनी जमीन पर जो हक का अधिकार मिला है वह हम सभी के पूर्वजों के कारण ही मिला है। उन्होंने कहा कि यह वह धरती है जहां हमारे महान नेता भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहरलाल नेहरू ने देश में पंचायती राज की स्थापना की। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग हमारे इन महान नेताओं के संबंध में अनर्गल बातें कर रहे हैं और अगर हम चुप रह जाये तो फिर हम उन्हें श्रद्धांजलि कैसे दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि लोग अपना काम करें, अपनी बात बताएं, लेकिन महान नेताओं के विरुद्ध बोलने का किसी को अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए 36 काम करने वाले हमारे इन महान नेताओं के विरुद्ध बोलने का अधिकार किसी को नहीं है। उन्होंने कहा कि खींवसर की धरती पर आकर भारतीय जनता पार्टी के नेता सतीश पूनिया ने बांग्लादेश से तुलना की उनका यह बयान निन्दनीय है क्योंकि खींवसर की धरती और खींवसर के लोग पूजनीय हैं। उन्होंने कहा कि खींवसर की धरती से पूरे देश को प्रेरणा मिली है, किसानों के अधिकार के लिए हुए कार्यों से खींवसर का पूरे देश में नाम है, इस भूमि के लिए इस तरह की बात करना भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को शोभा नहीं देता।

डोटासरा ने कहा कि दस माह पूर्व हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने भ्रमित कर झूठ और फरेब फैला कर प्रधानमंत्री के माध्यम से दुष्प्रचार करवा कर राज प्राप्त कर लिया। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े वादे भारतीय जनता पार्टी ने किए थे, हरियाणा के बराबर पेट्रोल डीजल के दाम करने का वादा किया था, बाजरे की एमएसपी पर खरीद करने का वादा किया था, एमएसपी को कानून बनाने का वादा किया था और आरोप लगाए थे कि किसानों का कर्ज माफ नहीं हुआ जबकि राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 14000 करोड़ रूपये का किसानों का ऋण माफ किया था। भारतीय जनता पार्टी ने बड़े-बड़े वादे किए थे, नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन इस 10 माह के भाजपा के शासन में ना तो महंगाई कम हुई और ना बेरोजगारों को रोजगार मिला, ना किसानों को बीज मिला, ना खाद मिली, ना किसान सम्मान निधि 12000 रूपये की हुई। उन्होंने कहा कि 10 माह के शासन में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने क्या दिया इस पर विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता ने भाजपा को पर्ची से मुख्यमंत्री बनाने का जनादेश नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा किए गए बड़े-बड़े वादों पर प्रदेश की जनता ने भाजपा को जनादेश यह सोच कर दिया था कि कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए जनकल्याण के कार्यों से और ज्यादा बेहतर अब कार्य होंगे, प्रधानमंत्री जी के इन्हीं वादों पर विश्वास करके भाजपा को जनादेश मिला, किन्तु सत्ता में बैठने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने केवल पर्ची खोलकर मुख्यमंत्री बना दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह समझना होगा कि हम गांव में भी पर्ची से सरपंच नहीं बनाते, पंच और सरपंच भी वोट से बनता है, किन्तु भाजपा ने पूरे राजस्थान की जनता के जनादेश का अपमान पर्ची से मुख्यमंत्री बनाकर किया, जिसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ऐसे लोगों को शासन की बागडोर सौंप दी जो खुद का कार्य नहीं करवा सकते, जनता का कार्य क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 10 माह में भाजपा के पास बताने के लिए एक नई योजना, कोई कार्य या उपलब्धि नहीं है, जो जनता के लिए लागू की गई हो। उन्होंने कहा ना सड×के बनी, ना बिजली के कनेक्शन मिले, यही भाजपा के शासन में हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर में घूम रहे हैं, भाषण, भ्रमण और भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार अफसर शाही इतनी हावी है कि भाजपा के विधायकों के भी काम नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रदेश की जनता से वादा किया था कि कांग्रेस ने 14000 करोड़ का कोऑपरेटिव का किसानों का ऋण माफ किया है और भाजपा के सत्ता में आने पर राष्ट्रीयकृत बैंकों का ऋण माफ होगा, किन्तु प्रधानमंत्री ने वादा तो नहीं निभाया, किरोड़ी मीणा को कृषि मंत्री बना दिया जो कहते हैं कि किसान की आदत खराब हो गई है, कर्ज चुकाते नहीं है ,बेईमानी करते हैं, इसलिए उन्हें ऋण नहीं मिलना चाहिए और ऋण दिया जाए तो वह माफ नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को हेलीकॉप्टर में भ्रमण करने के लिए जनादेश नहीं दिया गया है, क्योंकि यह पैसा प्रदेश की आम जनता का है, जो टैक्स किसानों से, छोटे व्यापारियों से, आम जनता से वसूला जाता है, गाढ़े पसीने की और मेहनत की कमाई है उसको इस तरह से उड़ाने का अधिकार किसी को नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासन में 25 लख रुपये तक का मुफ्त ईलाज मिलता था, इंदिरा रसोई योजना के तहत भरपेट भोजन आदमी कर सकता था, अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोली थी, इन सब योजनाओं को भाजपा की सरकार बंद कर चुकी है अथवा ठण्डे बस्ते में डाल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 3700 से अधिक स्कूल अंग्रेजी माध्यम के प्रदेश के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने हेतु खोले गए थे जिसमें 7 लाख से अधिक प्रदेश के होनहार बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा निःशुल्क प्राप्त कर रहे हैं, जबकि पूर्व में यह शिक्षा निजी विद्यालयों में एक लाख रुपए खर्च कर मिलती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार के शासन में खूब सड×कों का निर्माण हुआ, महंगाई राहत कैम्प लगा कर एक से एक योजनाओं का लाभ जनता को दिया गया। बहनों को मोबाइल मिले, बुजुर्गों और जरूरतमंदों को पेंशन दी गई। भाजपा शासन में बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा है, हकदारों को पेंशन नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मातृशक्ति के सशक्तिकरण का वादा किया था किन्तु प्रदेश में कानून-व्यवस्था की हालत यह है कि प्रतिदिन 19-20 माता बहनों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि दुख का विषय है कि मुख्यमंत्री जिस क्षेत्र से आते हैं, उस भरतपुर में सर्वाधिक अपराध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में अजीब-अजीब वाक्या हो रहे कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की भवानी रूठ जाती है, भाई को टिकट मिला तो भवानी जाग गई, लेकिन जब भाई हार जाएगा दौसा से तो वापस रूठ जाएगी। उन्होंने कहा कि यह उप चुनाव भाजपा को सबक सिखाने का एक मौका है। उन्होंने कहा कि इन सात उप चुनावों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा लेकिन यदि सातों सीट भाजपा को हरा दी तो भाजपा पर नकेल डालने का कार्य होगा, उन्हें गरीबों की, किसानों की, नौजवानों की सुध लेनी पड़ेगी।

डोटासरा ने कहा कि वर्तमान में यह हालत है कि भाजपा के ही विधायकों की कोई सुध नहीं ले रहा है, सोशल मीडिया पर वीडियो आया हुआ है जिसमें भाजपा की ही एक महिला विधायक यूडीएच मंत्री खर्रा से शिकायत कर रही हैं, कह रही हैं कि उनके विभाग का एक अधिकारी जनता से काम करने के पैसे ले रहा है, चोर है, लेकिन मंत्री कुछ भी नहीं कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक बात है क्योंकि सत्ताधारी दल के विधायक की भी सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में खनन माफिया, बजरी माफिया, जमीन माफिया हावी है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री हो या अधिकारी निरीक्षण किया था, उस स्थान में क्या तब्दीली आई, उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रश्न किया कि जिस एसएमएस अस्पताल में ओचक निरीक्षण करने गए थे वहां पर क्या बदलाव किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेश के दौरों से जब-जब आते हैं, मुख्यमंत्री को तलब कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो 36 कौम को साथ लेकर विकास के पथ पर चलती है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस का शासन था तो विकास हो रहा था, सड×के बन रही थी, चिकित्सा सुविधा सुदृढ़ की गई, शिक्षा के क्षेत्र में काम हुआ, खींवसर में कांग्रेस समर्थित विधायक नहीं थे, निर्दलीय थे उसके बावजूद भी विपक्ष में बैठे हुए जनप्रतिनिधि के क्षेत्र में भी विकास के भरपूर कार्य कांग्रेस सरकार ने करवाए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिना किसी भेदभाव के क्षेत्र का विकास करवाने का कार्य करती रही है, लेकिन आज भाजपा के शासन में पक्ष और विपक्ष में भेदभाव किया जाता है, विपक्ष के जनप्रतिनिधियों के क्षेत्र में छोटे-छोटे कार्य भी नहीं करवाए जाते हैं, इन परिस्थितियों को और स्थितियों को ठीक करने के लिए भाजपा को सबक सिखाना आवशयक है, इसलिए इन उप चुनावों में भाजपा प्रत्याशियों को हराकर कांग्रेस के प्रत्याशियों को विजयी बनाना आवशयक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी बहुत ही संस्कारी और शालीन महिला है, प्रदेश के विकास में और जनता के सुख-दुख में हमेशा भागीदार रहेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. रतन चौधरी और सवाई सिंह के संस्कार हैं जो सभी से विनम्रता से शीश झुका कर मिलते हैं और दूसरी ओर ऐसे लोग हैं जो हमारी बहन-बेटियों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं तथा महान नेताओं के लिए अनर्गल बयान बाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि बहन-बेटियों के लिए बोले गए अपशब्द और महान नेताओं के विरुद्ध बोली गई बातें बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी पार्टी में किसी को भी चुनाव लड़ायें लेकिन मर्यादा का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इण्डिया गठबंधन के तहत चुनाव हुआ था और कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं ने ईमानदारी से गठबंधन धर्म निभाते हुए वोट दिए, लेकिन राजस्थान में विधानसभा चुनाव में अब गठबंधन नहीं है और आगे पंचायती राज और नगर निकाय के चुनाव में भी कांग्रेस और कांग्रेस के कार्यकर्ता चुनाव लड़ेंगे। डोटासरा ने उपस्थित जनसमूह से अपील करते हुए कहा कि चुनाव के दिन डॉ. रतन चौधरी को हाथ के निशान पर वोट देकर विजयी बनायें, पूरी कांग्रेस पार्टी खींवसर के एक-एक मतदाता के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्परता के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर उनके साथ खड़ी रहेगी। डोटासरा ने नागौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष जाकिर हुसैन गैसावत, विधायक हरेन्द्र मिर्धा, मुकेश भाकर, मनोज मेघवाल, पूसाराम गोदारा, डूॅगरराम गेदर, श्रीमती गीता बरवड़, श्रीमती शिमला नायक, महेन्द्र चौधरी, चेतन डूडी, श्रीमती मंजू मेघवाल, जगदीश जांगिड़, रामचन्द्र जारोड़ा, शिवरतन वाल्मीकि, विशाल जांगिड़, गजेन्द्र सांखला, अभिषेक चौधरी, राहुल भाकर राघवेन्द्र मिर्धा, हनुमान बागड़ा, मनीष मिर्धा, श्रीमती चन्द्रकला नायक द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी के समर्थन में किये जा रहे प्रचार-प्रसार हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। और सभी को प्रचार बंद होने तक कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी के समर्थन में कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

संक्षिप्त समाचार

हवाई फायरिंग और मारपीट के मामले में 9 गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र के परसोंदा गांव में आपसी विवाद को लेकर कुछ दिनों पहले दो पक्षों में मारपीट हो गई थी। दोनों पक्षों की ओर से हवाई फायरिंग और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास में दोनों पक्षों के नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। मनियां थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि 5 नवंबर को परसोंदा गांव में तेज गति से ट्रैक्टर चलाने को लेकर गांव के ही गब्बर सिंह और दाताराम पक्ष के बीच जमकर मारपीट हुई थी। जिसमें दोनों पक्षों ने मारपीट के साथ हवाई फायरिंग करते हुए हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया था। मारपीट की घटना में दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोग घायल हुए थे। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि मारपीट की घटना में शामिल दोनों पक्षों के नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने सभी आरोपियों को 11 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा है।मारपीट और हत्या के प्रयास की घटना में शामिल सभी आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

नेटथियेट पर यू सजा चांद गज़ल संध्या

यूं ही बेसबब फिर ना करो, किसी शाम घर भी रहा करो

चमकता राजस्थान

जयपुर। नेटथियेट कार्यक्रम की श्रृंखला में आज यूं सजा चांद ग़ज़ल संध्या में शहर के उभरते गज़ल सिंगर काजल सुनयना और ज्योति रानी ने अपनी मखमली आवाज़ में सुप्रसिद्ध शायरों की गजलों का गुलदस्ता पेश किया ।

नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू बताया कि कलाकार काजल और ज्योति ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सुप्रसिद्ध शायर बशीर बद्र की गजल यूं ही बेसबब ना फिर करो, किसी शाम घर भी रहा करो, वह गजल की सच्ची किताब है, उसे चुपके चुपके पढ़ा करो से की । इसके बाद उन्होंने बहादुर शाह जफर की ग़ज़ल निकले थे जब सफर ये तो महदूद था जहां, तेरी तलाश ने कई आलम दिखाए हैं और शायर शकील की *हाल ए दिल पूछने वाले तेरे दुनिया में कभी दिन तो होता है मगर रात नहीं होती फिर एक ग़ज़ल इतनी सी बात उनसे हुई प्यार हो गया दुनिया से बेखबर हुए अपनों से बेखबर यह क्या हुआ हर पल जो उनका हो गया को जब अपनी पुरकशिश आवाज में इन ग़ज़लों को सुनाया तो दर्शक वाह-वाह कर उठे।

इनके साथ शहर के जाने माने तबला वादक ऋषि शर्मा ने अपनी उंगलियों का जादू दिखाकर गज़ल की इस महफिल को परवान चढाया।

कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी तथा कार्यक्रम में इम्पीरियल प्राइम कैपिटल के कला रसिक मनीष अग्रवाल की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कैमरा मनोज स्वामी, संगीत संयोजन विनोद सागर गढवाल, मंच सज्जा जीवितेश शर्मा व अंकित शर्मा नानू की रही।

आम आदमी पार्टी ने जारी किया जनता हेल्पलाइन नंबर

- आगामी नगर निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी मजबूती से लड़ेगी चुनाव - अर्चित गुप्ता

चमकता राजस्थान

जयपुर। आम आदमी पार्टी जयपुर ज़िले ने आज जनता हेल्पलाइन नम्बर जारी कर पोस्टर विमोचन किया, इस अवसर पर आम आदमी पार्टी प्रदेशाध्यक्ष नवीन पालीवाल,जयपुर जिला अध्यक्ष अर्चित गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित दाधीच व मीडिया प्रभारी पवन देव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी आज जमीनी स्तर पर व्यवस्था बदलाव के लिए कार्य कर रही हैं आज आम आदमी पार्टी ही आम जनता की पार्टी हैं जनता का हमें पूर्ण विश्वास हैं इसी विश्वास के आधार पर ही आज जनता हेल्पलाइन नंबर जारी किया हैं जिसके माध्यम से आम व्यक्ति मात्र मिसकॉल देकर ही छोड़ दे, आम आदमी पार्टी जयपुर की टीम उसी नंबर पर सम्पर्क कर व्यक्ति की शिकायत सुन कर संवैधानिक रूप से उसकी मदद करेगी. जयपुर जिला अध्यक्ष अर्चित गुप्ता ने कहा कि आगामी नगर - निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ने जा रही हैं आज जयपुर जिले में आप कार्यकर्ता मजबूती से कार्य कर रहे हैं आज नगर निगम हैरिटेज और ग्रेटर भ्रस्टाचार का गढ़ बन चुका हैं जिससे आम आदमी त्रस्त हो चुका हैं और इस कुव्यवस्था में अपने को पीड़ित समझ रहा हैं जबकि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में गलत हैं सिर्फ आम आदमी पार्टी ही गरीब मजदूर सहित आम जन की पार्टी हैं और हम मजबुती से व्यवस्था परिवर्तन के लियें लड़ रहे हैं और लड़ते रहगे जल्द ही आपको दिल्ली और पंजाब के जैसे राजस्थान में भी परिवर्तन देखने को मिलेगा।

अर्चना फाउंडेशन के तत्वाधान में नि शुल्क लेंस प्रत्यारोपण एवं दंत शिविर का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान

मंडावर (राजवीर सिंह) बालोत कटहैड़ा के द्वारा बताया गया की गढ़ हिम्मत सिंह के निजी स्कूल में अर्चना फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित निःशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर और दंत चिकित्सा शिविर में 237 लोग नेत्र जांच करवाने के लिए आए और 107 लोग दांत परामर्श के लिए आए जयपुर की सहाय हॉस्पिटल टीम के द्वारा 16 लोगो को मोतियाबिंद ऑपरेशन चिन्हित करके जयपुर ले जाने के लिए चिन्हित किया गया था अर्चना फाउंडेशन के द्वारा की गई बस में सभी मरीजों को डॉक्टर के साथ में जयपुर ले जाने की व्यवस्था की गई और सभी को जयपुर भेजा गया दीपक बालोत कटहैड़ा ने बताया की सभी को मरीजों को रहने खाने की सहाय हॉस्पिटल में निःशुल्क व्यवस्था की गई है सहाय हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों के द्वारा सभी का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जायेगा और सभी को अर्चना फाउंडेशन टीम के द्वारा निःशुल्क सकुशल अपने अपने घर छोड़ा जायेगा शिविर में भाग लेने वाले सभी ग्रामीण लोगो ने अर्चना फाउंडेशन टीम का शुक्रिया अदा किया गया जो अपने क्षेत्र में निःशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर और दंत चिकित्सा शिविर आयोजित करवाया गया सोनू आदर्श विद्या मन्दिर के संस्था प्रधान अनिल शर्मा, व स्टाफ बनवारी लाल सैनी,मनोज शर्मा, राजू बारी, उमेश चन्द शर्मा, अशोक अग्रवाल, दिनेश सैनी, पदमाकर शर्मा, विष्णु कशयप, नाहर सिंह मीना अर्चना फाउंडेशन टीम के संतोष भैरूबास, नरेंद्र मीना, अभिषेक मीना, दीपक बालोत कटहैड़ा, रोहित मीना, अनिल शर्मा* सहित ग्रामीण मौजूद रहे। अर्चना फाउंडेशन टीम के द्वारा सोनू आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के संचालक अनिल शर्मा का आभार व्यक्त किया गया जिन्होंने अर्चना फाउंडेशन टीम के साथ मिलकर के शिविर का सफल आयोजन करवाने में उनका साथ दिया सोनू आदर्श विद्या मंदिर स्कूल की टीम ने सभी ग्रामीण लोगो के साथ मिलकर के सहाय हॉस्पिटल टीम और अर्चना फाउंडेशन टीम का स्वागत करके सफल शिविर का समापन करके टीम को अग्रिम शुभकामनाएं दी।

एमवीए ने जारी किया घोषणापत्र

महिलाओं को तीन हजार रुपये और किसानों की कर्जमाफी का वादा

मुम्बई/एजेंसी

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन से आगे निकलने की कोशिश में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) ने बुधवार को राज्य में महिलाओं के लिए प्रति माह 3,000 रुपये और राज्य परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा का वादा किया। कृषि समृद्धि योजना के तहत किसानों का तीन लाख रुपये तक का ऋण माफ किया जाएगा और फसल ऋण के नियमित पुनर्भुगतान के लिए प्रोत्साहन के रूप में 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस गठबंधन ने 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले यह घोषणा की। बीकेसी मैदान में बेरोजगार युवाओं के लिए चार हजार रुपये प्रति माह का भत्ता, 25 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया गया।

महिलाओं के लिए तीन हजार रुपये

महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राकांपा सरकार वर्तमान में अपनी एक योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये का भुगतान कर रही है। इस राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का वादा किया गया है। एमवीए ने सत्ता में आने पर राज्य में जाति आधारित गणना कराने और केंद्र में सत्ता में आने पर आरक्षण में 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने का भी वादा किया।

राहुल गांधी ने कही ये बात

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश में आरएसएस-भाजपा और विपक्षी आइएनडीआइए के बीच विचारधारा की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहती कि वह संविधान को खत्म करना चाहती है, लेकिन वह ऐसा करना चाहती है। देशभर के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति करते समय एकमात्र योग्यता आरएसएस की सदस्यता है। उन्होंने भाजपा पर सरकारें गिराने के लिए चुनाव आयोग, सीबीआइ, ईडी और आयकर विभाग का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि डा. बीआर आंबेडकर जैसे समाज सुधारकों की विरासत को संरक्षित करने की जरूरत है।

न्यूज अपडेट

संपत्ति के लिए शख्स और उसका बेटा बने हैवान

- की मां और बहन की हत्या, जानें पूरा मामला

संबलपुर/एजेंसी। ओडिशा के संबलपुर से हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने संपत्ति के लिए अपने बेटे के साथ मिलकर अपनी ही 90 वर्षीय मां और 62 वर्षीय बहन की उनके ही घर पर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पुलिस को उनकी मां स्नेहलता दीक्षित (90) और उनकी बेटी सैरेंद्री दीक्षित (62) के शव हाटापाड़ा स्थित उन्हीं के घर की पहली मंजिल पर जले हुए मिले थे। वहीं अधिकारियों के मुताबिक पहले इस घटना की जांच अप्राकृतिक मौत मानकर की जा रही थी। हालांकि बाद में मृतकों के परिवारवालों से पूछताछ में इसके हत्या का मामला होने की बात पता चली। जिसके बाद पुलिस ने स्नेहलता के बेटे जगन्नाथ और उनके पोते संकेत को गिरफ्तार कर लिया। इस मौके पर संबलपुर के एएसपी ने बताया कि यह एक सुनियोजित हत्या थी जोकि संपत्ति विवाद को लेकर की गई। शुरुआती जांच में पुलिस ने पाया कि दोनों लोगों को पहले गला घोंटकर मारा गया और फिर उसके बाद उन्हें जला दिया गया। हालांकि मौत की असल वजह क्या है यह पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगी। बता दें कि इससे पहले स्नेहलता की छोटी बेटी इंद्राणी पुरोहित ने आरोप लगाया था कि उनके भाई ने ही जमीन और संपत्ति के विवाद में मां और बड़ी बहन की हत्या की थी।

सांसद पप्पू यादव का दावा

झारखंड में फिर बनेगी झामुमो गठबंधन की सरकार

रांची/एजेंसी। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विचारधारा और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास मॉडल के आधार पर राज्य में एक बार फिर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन की सरकार बनेगी। सांसद यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में आदिवासियों और दलितों की नहीं, बल्कि पूंजीपतियों की सरकार बनाना चाहती है। रांची में कांग्रेस भवन में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यादव ने दावा किया कि

झारखंड की जनता 13 और 20 नवंबर को मौजूदा गठबंधन सरकार के पक्ष में वोट देकर भाजपा को करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी की विचारधारा और हेमंत सोरेन के विकास मॉडल के आधार पर यहां एक बार फिर गठबंधन की सरकार बनेगी।' यादव ने आरोप लगाया, 'भाजपा यहां आदिवासियों, छोटे व्यापारियों, दलितों और अल्पसंख्यकों की सरकार नहीं बनाना चाहती। वे पूंजीपतियों की सरकार चाहते हैं।' असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं। यादव ने कहा, 'मैं निर्वाचन आयोग से अनुरोध करता हूं कि जब भी शर्मा झारखंड आएं, तो उनके कमरों, कार्यालयों और विमानों की छानबीन सुनिश्चित की जाए।' सरमा झारखंड के लिए भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी हैं। झारखंड में घुसपैठ के भाजपा के आरोप पर यादव ने दावा किया कि यदि बांग्लादेशी घुसपैठिये राज्य में घुसे हैं तो यह केंद्र सरकार की विफलता है।

महाकुंभ से पहले संतों में चले लात-घूंसे, बैठक में आखिर किस बात पर बिगड़ गए महंत?

प्रयागराज/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले से पहले ही संतों के बीच घमासान हो गया। महंतों ने एक-दूसरे पर जमकर थप्पड़, लात-घूंसे चलाए। यह हंगामा महाकुंभ को लेकर हो रही अखाड़ों की बैठक में हुआ। मेला प्रशासन की अखाड़ों को साथ-साथ बुलाई गई बैठक में विवाद हुआ है।अखाड़े के दोनों गुटों के बीच जमकर हाथापाई हुई।मेला प्राधिकरण ने अखाड़ों को आवंटित की जाने वाली भूमि दिखाने के लिए बैठक बुलाई थी। अखाड़ों के संत महात्मा प्रयागराज मेला प्राधिकरण के आई ट्रिपल सी सभागार में जुटे थे। इस दौरान अखाड़ों के महंतों के बीच कहा सुनी हुई और देखते ही देखते उनके बीच मारपीट होने लगी।साधु संत एक दूसरे के पर लात घूंसों और मुक्के बरसाने करने लगे। इस मारपीट से मेला प्राधिकरण सभागार में अफरा तफरी मच गई।महाकुंभ मेला अधिकारी और एसएसपी महाकुंभ मेला की मौजूदगी में हाथापाई की घटना हुई। जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने बीच बचाव कर माहौल शांत कराया। हालांकि बवाल के चलते बैठक भी नहीं हो पाई। अखाड़ा परिषद के एक गुट के अध्यक्ष निरंजनी अखाड़े के महंत रविंद्र पुरी और महामंत्री हरि गिरी हैं, जबकि दूसरी गुट के अध्यक्ष महानिर्वाणी अखाड़े के महंत रविंद्र पुरी और महामंत्री राजेंद्र दास है। सितंबर 2021 में अखाड़ा परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी के निधन के बाद से अखाड़ा परिषद दो गुटों में बंटा हुआ है।

हेमंत सोरेन ने बीजेपी को ललकारा

कहा - अगर हिम्मत है तो सामने से लड़ो, कायर की तरह पीछे से वार क्यों?

रांची/एजेंसी।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और चुनौती दी कि वह उन पर पीछे से हमला करने के बजाय सामने से खुलकर आगामी विधानसभा चुनाव लड़े। सोरेन ने दावा किया कि भाजपा ने केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया और उनकी छवि खराब करने के लिए अरबों रुपये खर्च किए गए। सीएम सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'अगर हिम्मत है तो सामने से लड़ो, कायर की तरह पीछे से वार क्यों? उन्होंने कहा, कभी ईडी, कभी सीबीआई, कभी एक एजेंसी, कभी कोई और। मेरी छवि खराब करने के लिए अरबों रुपये खर्च किए गए हैं। अजीब स्थिति है। सोरेन ने भाजपा की 'डबल इंजन' के बयानबाजी को लेकर भी कटाक्ष किया और कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार ने स्कूल बंद कर दिए, राशन कार्ड रद्द कर दिए और अपने कार्यकाल के दौरान झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा आयोजित नहीं की।

सीएम सोरेन ने कहा, 'बीजेपी सरकार 11 साल से केंद्र में और 5 साल तक राज्य की सत्ता पर काबिज रही, खुद को डबल इंजन की सरकार कहती है। फिर रघुवर सरकार के पांच साल में सिर्फ हाथी ही क्यों उड़ा? पांच साल में 13,000 स्कूल क्यों बंद कर दिए गए? पांच साल में 11 लाख झ हां 11 लाख राशन कार्ड क्यों रद्द कर दिए गए?

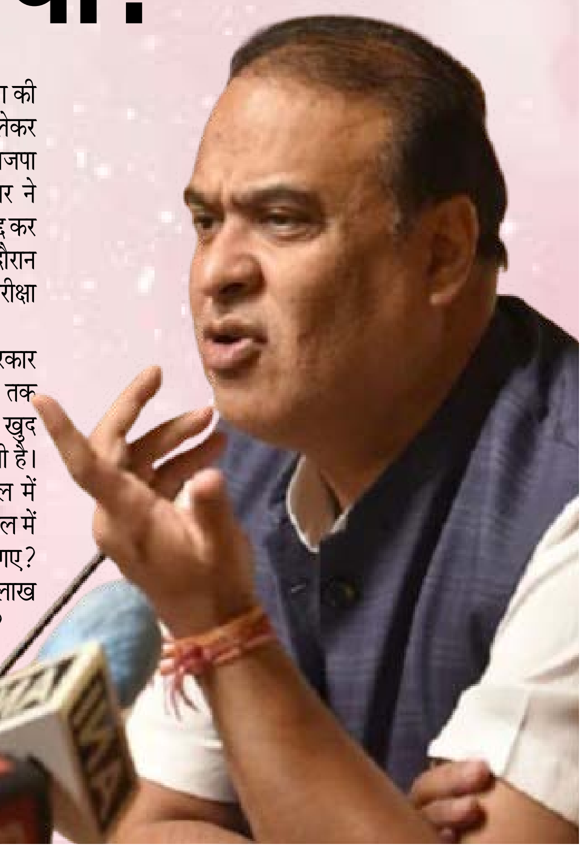

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल खेलते समय मैदान पर गिरी आकाशीय बिजली, एक खिलाड़ी की मौत

लीमा, एजेंसी। पेरू में फुटबॉल खेलते समय मैदान पर आकाशीय बिजली गिरने से 1 खिलाड़ी की मौत हो गई। जबकि कई अन्य खिलाड़ी घायल हो गए। इस हादसे का सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया है। यह दुखद घटना पेरू के दो क्लबों जुवेंटुड बेलाविस्टा और फेमिलिया चोका के बीच हुआंकायो में खेले जा रहे मैच के दौरान हुई। बताया जाता है कि भारी बारिश के कारण रेफरी को खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाने के लिए कहना पड़ा। जब खिलाड़ी मैदान से बाहर जा रहे थे, तभी बिजली गिरने से 39 वर्षीय फुटबॉल खिलाड़ी जोस ह्यूगो डे ला क्रूज़ मेसा की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ अन्य खिलाड़ियों को जलने के कारण अस्पताल ले जाया गया। डिफेंडर जोस ह्यूगो डे ला क्रूज़ मेसा की मौत हो गई, जबकि एरिक एस्टिवेन सेंट क्यूलर, जोशेप गुस्तावो पारियोना चोका और क्रिस्टियन सेसर पिटुय काहुआना जैसे खिलाड़ी बिजली के झटके लगने के बाद निगरानी में हैं। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, गोलकीपर जुआन चोका लैक्टा की हालत गंभीर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मैच लगभग 4 बजे शाम को रद्द कर दिया गया था।

चीनी अंतरिक्ष यात्री स्पेस में छह महीने बिताने के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे

बीजिंग, एजेंसी। निचली कक्षा में अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करने के कार्य में छह महीने बिताने वाले तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री सोमवार रात पृथ्वी पर सुरक्षित लौट आए। मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी चीनी एजेंसी ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष यात्री ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर अंतरिक्ष यान 'शेनझोउ-18 का कैप्सूल रात 1:24 बजे (बीजिंग समयानुसार) उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग स्थल पर उतरा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 192 दिन तक कक्षा में रहने के बाद तीनों अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य ठीक है और 'शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। शेनझोउ-18 के मिशन कमांडर गुआंगफू एक वर्ष से अधिक के संचयी अंतरिक्ष उड़ान समय वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। उन्होंने एक चीनी अंतरिक्ष यात्री के रूप में कक्षा में सबसे लंबे समय तक रहने का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। उन्होंने अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक 'शेनझोउ-13 मिशन में अंतरिक्ष यात्री के रूप में कार्य किया था। गुआंगफू ने कहा, ''चीनी अंतरिक्ष यात्रियों ने क्रमिक अभियानों में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी है। मेरा मानना है कि निकट भविष्य में कक्षा में अवधि का रिकॉर्ड टूट जाएगा। वहीं, अन्य अंतरिक्ष यात्री ली गुआंगसु ने कहा कि उन्होंने चेरी टमाटर और सलाद पत्ता के रूप में दो प्रकार के पौधे उगाए तथा भोजन के लिए कुछ सलाद पत्ते काटे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ली के हवाले से कहा, ''अंतरिक्ष में ताजी सब्जियाँ खाने में सक्षम होना वास्तव में एक आशीर्वाद है। ये हरे पौधे हमारे व्यस्त कार्य में भी हरियाली की दमक और अच्छा उत्साह लेकर आए। चीन ने इस साल अप्रैल में 'शेनझोउ-18 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया था। शिन्हुआ के अनुसार, अंतरिक्ष में रहने के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने विज्ञान से जुड़े दर्जनों प्रयोग किए। धरती पर लौटे तीनों अंतरिक्ष यात्रियों की जगह तीन अन्य यात्री 30 अक्टूबर को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे जिनमें एक महिला भी शामिल है। चीन हर छह महीने में स्टेशन के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को बदलता रहता है।

इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर अबू अली रिदा को हवाई हमले में मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि उसने एक शीर्ष हिज़बुल्लाह कमांडर, अबू अली रिदा को मार गिराया है। सेना का कहना है कि रिदा दक्षिणी लेबनान के बराअचित क्षेत्र का कमांडर था और इजराइली सेना पर रॉकेट और एंटी-टैंक मिसाइल हमलों की योजना बना रहा था और उन पर हमले करवा रहा था। सेना ने एक बयान में बताया कि रिदा हिज़बुल्लाह के अन्य आतंकवादी गतिविधियों की भी निगरानी कर रहा था और उसे एक हवाई हमले में मार गिराया गया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि उसे कब मारा गया। सितंबर के अंत में इजराइल और हिज़बुल्लाह के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद से इज़राइल लगातार लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में इज़राइल ने हिज़बुल्लाह के कई प्रमुख नेताओं को मार गिराया है, जिसमें संगठन के पूर्व प्रमुख हसन नसरल्लाह भी शामिल हैं।

अमेरिका में कैसे चुना जाता है नया राष्ट्रपति, क्या है इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की निगाह अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव पर टिकी है। अगर आप सोचते हैं कि अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव लोगों द्वारा सीधी वोटिंग के जरिए होता है तो ऐसा नहीं है। 2016 में, हिलेरी क्लिंटन ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप से करीब 28,00,000 अधिक डायरेक्ट पापुलर वोट हासिल किए थे लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2000 में, जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अल गोर को हराया। हालांकि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार गोर ने पांच लाख से अधिक मतों से पापुलर वोट जीता था। ऐसा इलेक्टोरल कॉलेज की वजह से हुआ था - यह यूएस प्रेसिडेंट चुनाव की एक अनूठी प्रणाली है जिसकी वजह से नतीजे सीधे पापुलर वोट से तय नहीं होते हैं। पापुलर वोट देश भर के नागरिकों द्वारा डाले गए व्यक्तिगत वोटों की कुल संख्या को कहते हैं। यह लोगों की प्रत्यक्ष पसंद को दर्शाता है, जहां हर वोट को समान रूप से गिना जाता है।

अब बात करते हैं इलेक्टोरल कॉलेज की। : 5 नवंबर को अमेरिकी वोटर्स डेमोक्रेट कमला हैरिस या रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप के लिए वोट करेंगे। लेकिन वे वोट सीधे तौर पर यह निर्धारित नहीं करेंगे की कौन जीतेगा। अमेरिकी जब वोट देते हैं, तो वे वास्तव में उन इलेक्टर के ग्रुप के लिए वोट कर रहे होते हैं जो उनकी पसंद का प्रतिनिधित्व करेंगे। ये इलेक्टर फिर अपने राज्य के भीतर लोकप्रिय वोट के आधार पर राष्ट्रपति के लिए वोट करते हैं। दरअसल यूएस प्रेसिडेंशियल चुनाव राष्ट्रीय मुकाबले की जगह पर राज्य-दर-राज्य मुकाबला है। 50 राज्यों में से किसी एक में जीत का मतलब है कि उम्मीदवार को सभी तथाकथित इलेक्टोरल कॉलेज वोट मिल गए। कुल 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं।

राष्ट्रपति पद जीतने के लिए उम्मीदवार को बहुमत - 270 या उससे ज़्यादा - हासिल करने की ज़रूरत होती है। उनका साथी उप-राष्ट्रपति बनता है। यही वजह है कि किसी उम्मीदवार के लिए पूरे देश में कम वोट हासिल होने पर भी राष्ट्रपति बनना संभव है, अगर वहु इलेक्टोरल कॉलेज बहुमत हासिल कर ले। प्रत्येक राज्य को एक निश्चित संख्या में इलेक्टर मिलते हैं। इलेक्टर यानी वो लोग जो इलेक्टोरल कॉलेज में वोट करते हैं। प्रत्येक राज्य में इलेक्टर संख्या, मोटे तौर पर उसकी जनसंख्या के आधार के अनुरूप होती है। उदाहरण के लिए, सबसे अधिक आबादी वाले राज्य कैलिफोर्निया में 55 इलेक्टोरल वोट हैं, जबकि व्योमिंग जैसे छोटे राज्य में केवल 3 हैं। अगर कोई उम्मीदवार किसी राज्य में पापुरल वोट जीतता है, तो उसे आमतौर पर सभी इलेक्टोरल वोट भी मिल जाते हैं। उदाहरण के लिए, 2020 में, जो बाइडेन ने कैलिफोर्निया जीता, इसलिए कैलिफोर्निया के सभी 55 इलेक्टोरल वोट उनके खाते में गए। हालांकि हर बार ऐसा नहीं होता। यदि कोई इलेक्टर अपने राज्य के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के खिलाफ वोट करता है, तो उसे विश्वासघाती या फेथलेस कहा जाता है। कुछ राज्यों में, फेथलेस इलेक्टर पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है। अगर कोई भी उम्मीदवार बहुमत हासिल नहीं कर पाता तो हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव, अमेरिकी सांसद का निचला सदन, राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए वोट करता है। ऐसा सिर्फ़ एक बार हुआ है, 1824 में, जब चार उम्मीदवारों में इलेक्टोरल कॉलेज वोट बंट गए जिससे उनमें से किसी एक को भी बहुमत नहीं मिल पाया था। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के मौजूदा प्रभुत्व को देखते हुए, आज ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम अमेरिकी चुनाव की सबसे विवादास्पद व्यवस्था है। हालांकि इसके समर्थक इसके कुछ फायदे गिनाते हैं जैसे छोटे राज्य उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण बने रहते हैं, उम्मीदवारों को पूरे देश की यात्रा करने की ज़रूरत नहीं होती है, और प्रमुख राज्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं आदि।

जबकि इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम के विरोधी तर्क देते हैं कि इस व्यवस्था के तहत लोकप्रिय वोट जीतने वाला चुनाव हार सकता है, कुछ मतदाताओं को लगता है कि उनके व्यक्तिगत वोट का कोई महत्व नहीं है। बहुत ज़्यादा शक्ति तथाकथित स्विंग स्टेट्स में रहती है। स्विंग स्टेट उन राज्यों को कहा जाता है जहां चुनाव किसी भी पक्ष में जा सकता है। प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में पूरा जोर इन्हीं स्विंग स्टेट्स पर होता है।

नहीं रहे माइकल जेक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले क्विंसी जोन्स

वाशिंगटन, एजेंसी। माइकल जेक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले दिग्गज क्विंसी जोन्स का निधन हो गया है। उन्होंने 91 साल की उम्र में अंतिम सांस ली है। क्विंसी जोन्स की मौत से हॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री को तगड़ा झटका लगा है। माइकल और जोन्स की दोस्ती की मिसाल दी जाती थी। जोन्स ने जैक्सन के साथ मिलकर कई हिट एल्बम्स बनाए, जिनमें थ्रिलर और बेड जैसे एल्बम शामिल हैं, जो आज भी दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं। जोन्स के करीबी मित्र अर्नोल्ड रॉबिन्सन ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि क्विंसी जोन्स का निधन रविवार रात को हुआ, जब वह अपने घर में थे। क्विंसी जोन्स के परिवार ने भी उनके निधन के बाद एक बयान जारी कर कहा- आज रात भारी लेकिन टूटा हुआ दिल लेकर हमें अपने पिता और भाई क्विंसी जोन्स के निधन की खबर साझा करनी पड़ी। यह हमारे परिवार के लिए एक अनकही और अपूरणीय क्षति है। हालांकि यह हमारे लिए बहुत दुखद है, हम उनके महान जीवन का जश्न मनाते हैं और जानते हैं कि उनका जैसा कोई दूसरा कभी नहीं होगा। जीते 28 ग्रैमी अवॉर्ड्स क्विंसी जोन्स को कुल 28 ग्रैमी अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया, जो म्यूजिक इंडस्ट्री में एक रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि बताती है कि उनके संगीत और योगदान को किस तरह से सराहा गया। जहाँ एक कलाकार के लिए अपने पूरे करियर में एक या दो ग्रैमी अवॉर्ड प्राप्त करना बड़ी बात होती है, वहीं जोन्स ने इस शानदार उपलब्धि को 28 बार हासिल किया। उनका संगीत ना केवल श्रोताओं के दिलों में बसा बल्कि उनकी रचनाएँ आज भी संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

हैरिस-ट्रंप ने पैन्सिलवेनिया के अखाड़े में बिताया प्रचार का आखिरी दिन

पैन्सिलवेनिया, एजेंसी। अमेरिका में महीनों से चल रही राष्ट्रपति पद की रेस का प्रचार 4 नवंबर की रात को थम गया। अब इंतजार है तो मंगलवार यानि कि आज सुबह 7 बजे से शुरु होने वाले मतदान का जो तय करेगा कि व्हाइट हाउस में अगले 4 साल के लिए कौन सा चेहरा होगा आखिरी दौर में दोनों ही उम्मीदवार जिस एक राज्य पर जोर लगाते नजर हुए आए वो है पैनस्लिवेनिया। प्रचार के आखिरी दिन कमला हैरिस और डॉनल्ड ट्रंप ने सूबे के पिट्सबर्ग में बड़ी रैलियों को संबोधित किया। कमला हैरिस ने तो प्रचार का आखिरी दिन लगभग पैन्सिलवेनिया में ही बिताया। बीते कई हफ्तों से अमेरिकी चुनाव के दोनों महारथी अपना सारा जोर सात सूबों के 93 इलेक्टोरल कॉलेज मतों को अपने लिए जुटाने पर लगा रहे थे। इसमें भी सबसे ज्यादा 19 इलेक्टोरल कॉलेज वोट का वजन पैनसिल्वेनिया के पास है। विस्कॉन्सन, मिशिगन, एरिजोना, नॉर्थ कौरोलाइना, जॉर्जिया और नेवादा के बीच बंटे शेष 74 मतों के लिए दोनों ही खेमे ताकत झोंकते नजर आए। इस बीच अमेरिका में 7.91 करोड़ वोट पहले ही डाले जा चुके हैं। वहीं एरिजोना जैसे सूबे में तो मतदान की तारीख से पहले डाले गए मतों की छंटनी का काम भी शुरु हो गया।

अमेरिका के रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर ट्रम्प के खिलाफ, बोले- डोनाल्ड राष्ट्रपति बने तो देश की सुरक्षा और संविधान को खतरा, वे हिटलर के समर्थक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रेसिडेंट के लिए होने वाले चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। 7 नवंबर को रिजल्ट आने शुरू हो जाएंगे। इससे पहले अमेरिका के रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर्स ने डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि ट्रम्प तानाशाह हैं, वह हिटलर के काम की तारीफ करते हैं। अगर वह सत्ता में आए तो देश की सुरक्षा और संविधान को खतरा होगा। ट्रम्प अपने विरोधियों पर सैन्य बल का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रम्प पर आरोप लगाने वालों में उनके पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ जॉन केली सहित कई ऐसे अफसर हैं जो उनके राष्ट्रपति रहते हुए महत्वपूर्ण पदों पर थे। 2017 से 2019 तक ट्रम्प प्रशासन में सबसे लंबे समय तक चीफ ऑफ स्टाफ रहे रिटायर्ड मरीन जनरल जॉन केली का कहना है कि ट्रम्प ने घायल सैनिकों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था।ट्रम्प और बाइडेन के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष रहे मार्क मिल्ली भी ट्रम्प को देश के लिए सबसे खतरनाक व्यक्ति कह चुके हैं। मिल्ली का कहना है कि ट्रम्प के सत्ता से बाहर होने के बाद भी उनकी चिंताएं बरकरार हैं।

ट्रम्प की नीतियों के विरोध में रक्षा सचिव ने इस्तीफा दिया था ट्रम्प के कार्यकाल में जिम मैटिस अमेरिका के रक्षा सचिव थे। 2018 में उन्होंने ट्रम्प की नीतियों के विरोध में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने ट्रम्प को संविधान के लिए खतरा बताया। 2020 में एक अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद हुए विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए ट्रम्प ने सेना का उपयोग किया था। तब मैटिस ने कहा था- राष्ट्रपति का ये कदम संविधान का मजाक है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में ट्रम्प के साथ काम करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल एच.आर. मैकमास्टर ने कहा था- ट्रम्प के निर्णय असामान्य और कभी-कभी तो खतरनाक होते थे।

2023 में पूर्व रक्षा सचिव मार्क एस्पर ने भी ट्रम्प को सुरक्षा के लिए खतरा बताया था।

ट्रम्प का विरोध करने वाले सैन्य अधिकारियों में जनरल स्टेनली मैकक्रिस्टल, एडमिरल माइक मुलन, नाटो के पूर्व सुप्रीम अलाइड कमांडर जेम्स स्टैवरिडिस भी शामिल हैं। इन सभी ने ट्रम्प के प्रशासनिक फैसलों और सेना के राजनीतिकरण की आलोचना की है। दंगाइयों को रोकने सेना लगाने की बात कह चुके हैं ट्रम्प हाल ही में फॉक्स न्यूज को दिए इन्टरव्यू में ट्रम्प दंगाइयों को देश का दुश्मन बताते हुए सेना लगाने की वकालत कर चुके हैं। चुनाव वाले दिन संभावित हिंसा के सवाल पर उन्होंने कहा कि, हमारे बीच कुछ ज्यादा ही बुरे लोग मौजूद हैं, ये सिर्फ मेरे नहीं बल्कि अमेरिका के दुश्मन हैं, इनसे सेना ही निपट सकती है। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन पर जमकर निशाना साधा था। प्रेसिडेंट कैंडिडेट कमला हैरिस का कहना था कि वे अपने विरोधियों से नफरत करते हैं, अगर ट्रम्प राष्ट्रपति बनते हैं तो विरोध करने पर गोली मारने का आदेश दे देंगे

मालदीव ने पाकिस्तान से अपने हाई कमिश्नर को वापस बुलाया

बिना इजाजत तालिबानी डिप्लोमैट से मुलाकात की थी ; विदेश मंत्रालय बोला- उन पर कार्रवाई होगी

माले, एजेंसी। मालदीव ने पाकिस्तान में मौजूद अपने हाई कमिश्नर मोहम्मद तोहा को वापस बुलाने बुलाने का फैसला किया है। दरअसल, तोहा ने 1 नवंबर को इस्लामाबाद में तालिबान के डिप्लोमैट सरदार अहमद शाकीब से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच अफगानिस्तान-मालदीव के रिश्तों पर चर्चा हुई। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अपने हाई कमिश्नर को इस बैठक की इजाजत नहीं दी थी। इसी वजह से सरकार ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक इस्लामाबाद में मौजूद मालदीव मिशन की वेबसाइट से भी तोहा का नाम हटा दिया गया है। मालदीव की लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तोहा को इस साल जुलाई में पाकिस्तान में बतौर हाई कमिश्नर भेजा गया था। मालदीव की सरकार ने तोहा के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। सेंट्रल एशियाई देशों से कूटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिश में तालिबान 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से अब तक किसी भी देश ने उसकी सरकार को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, 3 साल से अफगानी सत्ता पर काबिज तालिबान कई देशों से कूटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान, चीन, रूस और ईरान जैसे कई सेंट्रल एशियाई देशों ने अफगानिस्तान के डिप्लोमैटिक रिश्तों की शुरुआत की है। हालांकि, काबुल में अब भी सभी पश्चिमी देशों के दूतावासों पर ताला जड़ा हुआ। साउथ एशिया के सबसे छोटे इस्लामिक देश मालदीव ने भी अब तक तालिबान की सत्ता को मान्यता नहीं दी है। तालिबानी मंत्री ने कहा था- भारत से रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं मार्च में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने भारत के एक डेलिगेशन से मुलाकात की थी। तब मुत्ताकी ने कहा था कि हम भारत के साथ राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर रिश्तों को मजबूत करना चाहते हैं। इस दौरान विदेश मंत्री ने भारत से अफगान व्यापारियों, छात्रों और मरीजों के लिए वीजा लेने की प्रक्रिया आसान करने की अपील की थी। फरवरी में भारत के डिप्टी एनएसए विक्रम मिस्री ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में अफगानिस्तान को लेकर हुई बैठक को संबोधित किया था। मिस्री ने कहा था- भारत के हित अफगानिस्तान से जुड़े हुए हैं। अफगानिस्तान का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों को पनाह और ट्रेनिंग देने के लिए नहीं होना चाहिए। कूटनीतिक मान्यता की मांग कर रहा तालिबान तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से वो लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने अल-अरेबिया न्यूज चैनल को एक इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था- सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के खिलाफ फूटा गुस्सा, सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। हजारों भारतीय-कनाडाई लोग ग्रेटर टोरंटो एरिया में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदार खालिस्तान समर्थक तत्वों के विरोध में रैली निकाली। सोमवार को विरोध प्रदर्शन में लगभग 5 हजार भारतीय-कनाडाई शामिल हुए। मौके पर पुलिस बल की कड़ी तैनाती थी। मंदिर के सामने का रास्ता बंद होने के कारण उन्होंने द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय पुलिस की ओर से इसे गैरकानूनी सभा घोषित कर दिया गया, जिसके बाद देर शाम रैली तितर-बितर हो गई। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन में हथियार भी देखे गए थे। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में रविवार को हिंदू महासभा मंदिर को चरमपंथियों ने अपना निशाना बनाया था। पील क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर में विरोध प्रदर्शन हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान समर्थक बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो में लोग एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते और डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं। यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।

खालिस्तान समर्थक प्रदर्शन में भाग लेने पर अधिकारी सस्पेंड : पील रीजनल पुलिस ने पुष्टि की कि उसने खालिस्तान समर्थक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए एक अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। एक प्रवक्ता ने कहा, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से हम अवगत हैं। इसमें ऑफ-ड्यूटी पील पुलिस अफसर को प्रदर्शन में शामिल दिखाया गया है। इस अधिकारी को सामुदायिक सुरक्षा और पुलिस अधिनियम के अनुसार निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वीडियो में दर्शाई गई परिस्थितियों की जांच की जा रही है और जब तक यह जांच पूरी नहीं हो जाती, हम आगे की जानकारी नहीं दे सकते हैं। भारत ने इसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संबंध में एक्स पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन कायम रखेगी। मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं।

कनाडा में मंदिर पर हमला, पुलिस अधिकारी सस्पेंडखालिस्तानी झंडा लहराया था

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के प्रदर्शन में शामिल होने वाले एक पुलिस अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, हरिंदर सोही नाम का व्यक्ति पील रीजनल पुलिस टीम में अधिकारी के पद पर है। वह रविवार को मंदिर के बाहर खालिस्तानी झंडा लहराता नजर आया था। पील पुलिस के मीडिया ऑफिसर रिचर्ड चिन ने बताया कि पुलिस को मंदिर के बाहर हिंसा से जुड़े फुटेज मिले हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसमें पुलिस अधिकारी प्रदर्शन में शामिल नजर आ रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

अब तक 3 लोगों पर हिंदू मंदिर के बाहर भारतीय कॉन्सुलर अधिकारियों पर हमले के मामले में केस दर्ज किया गया है। पील पुलिस ने बताया कि मंदिर के बाहर हिंसा के बाहर उसके आसपास दूसरी जगहों पर भी प्रदर्शन के मामले सामने आए। जयशंकर बोले- कनाडा को बिना सबूत आरोप लगाने की आदत पड़ी पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने कहा कि उन्हें पहले ही हमले की जानकारी मिली थी। सभी को प्रदर्शन करने और अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन इस दौरान किसी भी तरह की हिंसा या अपराध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। हिंसा में जो लोग शामिल थे, उन्हें गिरफ्तार करके सजा दी जाएगी। दूसरी तरफ, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कनाडा में मंदिर पर हमले का मामला चिंतित करने वाला है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गए जयशंकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मोदी ने भी इस मामले में चिंता जताई है। कनाडा में भारतीय डिप्लोमैट्स की जासूसी को भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्हें बिना किसी सबूत के आरोप लगाने की आदत पड़ गई है। पुलिस ने भी श्रद्धालुओं से की थी मारपीट दरअसल, ब्रैम्पटन में 3 नवंबर को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया था। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए थे। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने कहा कि हमें कनाडा सरकार से कार्रवाई की उम्मीद है। ऐसी घटनाएं हमें कमजोर नहीं कर सकतीं। वहीं विदेश मंत्रालय ने भी कनाडा की सरकार से पूजास्थलों की रक्षा की अपील की थी। इससे पहले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है। कनाडा में पहले भी हो चुके हैं हिंदू मंदिरों पर हमले कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था। इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के 40 साल पूरे होने को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे खालिस्तानी वहां पहुंचे और उन्होंने लोगों पर हमला कर दिया। कनाडा में पिछले कुछ समय से हिंदू मंदिरों और समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने से भारतीय समुदाय चिंतित है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा में बाकी जगहों पर हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया है। भारत का आरोप-वोट बैंक के लिए भारत विरोधी राजनीति कर रहे पीएम ट्रूडो भारत और कनाडा के बीच संबंधों में एक साल से भी ज्यादा समय से गिरावट देखी गई है।

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडैंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

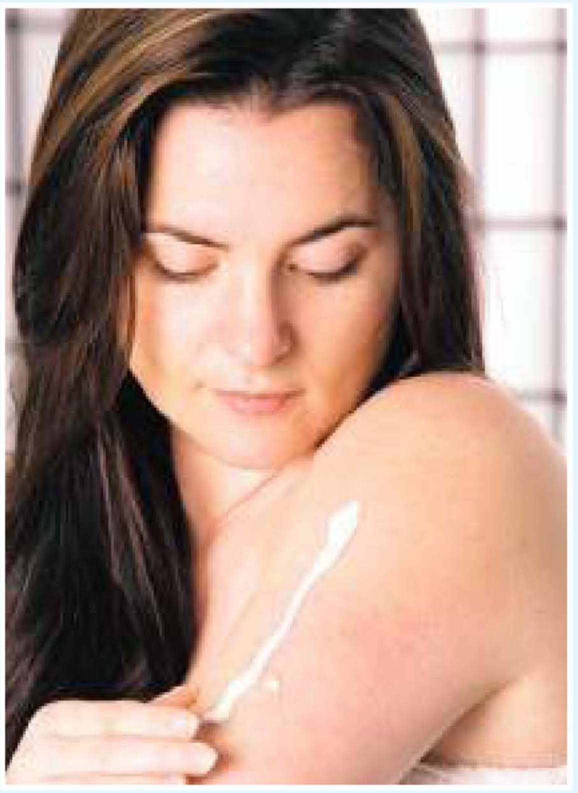

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. **अनुचित डाइट प्लैन:** आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।
2. **ब्रेकिगं प्वांइट:** यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।
3. **व्यायाम की सही योजना:** अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।
4. **कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण:** वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।
5. **हार्मोनल असंतुलन:** अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

झुंझुनूं और खींवसर में इस बार बदली हुई नजर आ रही है हवा: भजनलाल शर्मा

“अंधा बांटे रेवड़ी, फिर फिर अपने को दें“ कहावत को चरिथार्थ कर रहे है विपक्षी नेता: मदन राठौड़

70 सालों से पत्थर लगाकर सिर्फ शिलान्यास करने का काम कर रही है कांग्रेस, इनकी राजनीति परिवार तक सीमित: भजनलाल शर्मा

● **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और सीएम भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं व खींवसर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को किया संबोधित**

चमकता राजस्थान

जयपुर, 09 नवंबर 2024। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज झुंझुनूं में राजेंद्र भांबू और खींवसर विधानसभा क्षेत्र में रेवंतराम डांगा के समर्थन में जनसभा की। इस दौरान कांग्रेस और कांग्रेसी नेताओं के साथ आरएलपी नेता पर कड़ा प्रहार किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि झुंझुनूं में कांग्रेसी नेताओं ने राजस्थानी कहावत ''अंधा बांटे रेवड़ी, फिर फिर अपने को दे'' को चरिथार्थ कर दिया। इन्हें झुंझुनूं में कोई दूसरा नेता नजर ही नहीं आ रहा। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है, इनके शीर्ष नेतृत्व से लेकर प्रदेश स्तरी नेताओं के खिलाफ मुकदमें चल रहे है, अधिकांश कांग्रेसी नेता और उनके परिवार वाले जमानत पर आकर राजनीति कर रहे है। ऐसे में जनता के खून-पसीने की कमाई को खाने वाले इन नेताओं से अब सवाल पूछना होगा कि भ्रष्टाचार को पल्लवित करने वाली कांग्रेस पार्टी ने क्या किया ?

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेसी नेताओं ने दशकों तक बैठकर घोटाले पर घोटाले किए और जनता के टैक्स के रूप में जमा पैसे का गबन किया। जबकि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के पैसे का सदुपयोग करते हुए विकसित भारत और विकसित राजस्थान के लिए काम किया। पिछली सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक कराए, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार ने पेपरलीक माफियाओं को सलाखों तक पहुंचाने का काम किया। अब झुंझुनूं एवं खींवसर क्षेत्र के विकास के लिए हमें कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए केंद्र में मोदी सरकार, राज्य में भाजपा सरकार और स्थानीय स्तर पर भाजपा प्रत्याशी को जीताकर विधानसभा भेजना होगा। भाजपा सरकार प्रदेश के विकास के लिए संकल्पित है। हमें भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले कांग्रेसी नेताओं की गिरेबां पकड़ कर सवाल तो पूछने ही होंगे! राठौड़ ने कहा कि खींवसर में कांग्रेस के अलावा एक अन्य दल के प्रत्याशी भी मैदान में है, ये आरएलपी के नेता कभी भाजपा से तो कभी कांग्रेस से गठबंधन करते है लेकिन इस बार ये अपनी पत्नी को जीताने के लिए जुटे हुए है। परिवारवाद को जनता स्वीकार नहीं करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 70 सालों में पत्थर लगाकर शिलान्यास करने का काम किया है। झूठ और लूट वाली इस कांग्रेस पार्टी ने मुल्क के मालिक को भिखारी बना दिया और जो भिखारी थे वो आबाद हो गए लेकिन अब जनता जागरूक हो गई है, पहचानती है कि कौन इनका भला कर सकता है और कौन अपने परिवार का भला करेगा। कांग्रेस पार्टी परिवारवाद पर टिकी हुई है और इनके सहयोगी जातिवाद पर टिके हुए है, लेकिन अब झुंझुनूं एवं खींवसर की हवा बदली बदली सी नजर आ रही है। कांग्रेसी नेताओं ने लोकसभा चुनावों में आरक्षण को लेकर झूठी अफवाहें फैलाई, लेकिन चुनाव के बाद अब उपचुनाव के मैदान में नजर तक नहीं आ रहे है। कांग्रेस केवल धर्म, जाति और बंटवारे पर राजनीति करती है। इसने ना तो एससी, ना ही एसटी और ना ही अन्य किसी वर्ग का भला किया है, इसने तो सिर्फ अपने परिवार का भला किया। कांग्रेसी नेताओं ने एक यूनिट बिजली उत्पादन नहीं किया, बल्कि बिजली खरीदी और माल कमाया। कांग्रेस ने प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में 90 हजार करोड़ का घाटा दिया। इतना ही नहीं, अब कांग्रेसी नेताओं की हकीकत कश्मीर विधानसभा में देश के सामने आ गई। इन्होंने देश के कलंक अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए समर्थन किया है। जबकि पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह इस कलंक को मिटाने का ऐतिहासिक कार्य कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना किसी जाति, धर्म के विकास की राजनीति की बढ़ावा दिया है। मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम करते हुए सभी किसानों को सम्मान निधि जारी की, बिना किसी से धर्म और जाति के पूछे खाद्य सुरक्षा दी और बिना किसी भेद भाव के ग्रामों के विकास के लिए पीएम ग्राम सड़क योजना में सड़कें बनाई। इसी तर्ज पर प्रदेश की भाजपा सरकार ने हर वर्ग के विकास और कल्याण के लिए कार्य किया। सरकार के 1 साल पूर्ण होने पर सरकार अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष रखेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी का पानी भी गहरा है और यहां का आदमी भी गहरा और भोला है। कांग्रेस ने पेपरलीक करवाकर लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड किया और भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के साथ ही एसआईटी गठित करने का वादा किया और उस पर कार्य करते हुए 200 लोगों को सलाखों तक पहुंचाने का काम पूरा किया। इतना ही नहीं, भाजपा सरकार ने भर्ती कैलेंडर जारी कर पहली बार परीक्षा कराने की तिथि से लेकर परिणाम जारी करने तक की तिथि जारी करने का काम किया। प्रदेश के युवाओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, वे सिर्फ तैयारी करें, भाजपा सरकार 4 लाख सरकारी और 6 लाख से अधिक निजी क्षेत्र में रोजगार देगी। 90 हजार पदों पर सरकारी नौकरी के लिए कैबिनेट ने स्वीकृति जारी कर दी, वहीं राइजिंग राजस्थान के माध्यम से निजी क्षेत्र में भी रोजगार सृजन करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का दोगला चरित्र हरियाणा चुनावों में सबके सामने आ गया। यहां शेखावाटी में यमुना जल को लेकर झूठ बोला और हरियाणा चुनाव के घोषणा पत्र में यमुना जल समझौता रद्द करने की बात की, लेकिन जनता के लिए दिल से काम करने वालों का ईश्वर भी साथ देता है। हरियाणा में सरकार आई ही नहीं, अब वहां भी भाजपा सरकार है और यहां भी, आने वाले समय में निश्चित रूप से शेखावाटी के लोगों को यमुना से पानी मिलेगा। यमुना जल के लिए राजस्थान के बाबोसा स्व. भैरों सिंह शेखावत ने 1993 में बात रखी और पत्र भाजपा ने लिखा, एमओयू भी भाजपा ने किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हनुमान बेनीवाल ने चुनाव जीतने के लिए पहले कांग्रेस तो फिर भाजपा से गठबंधन किया। हनुमान की स्वार्थता अब कहां जाकर रूकेगी, इसका जवाब नागौर की जनता देगी। चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि किसी राज की नीतियों में जब तक किसानों की नीतियों पर चर्चा नहीं होगी, प्रदेश का विकास नहीं होगा। इसके लिए भाजपा सरकार ने किसानों के लिए बिजली और पानी जैसे गंभीर विषयों पर काम किया। भाजपा सरकार युवाओं के लिए नवीन युवा नीति, नवीन खेल नीति और कौशल नीति पर काम कर रही है। भाजपा सरकार की सोच हर क्षेत्र के लोगों का विकास करने की है, इस लिए बिना किसी भेदभाव सभी 200 विधानसभाओं में बजट जारी किया गया है। इतना ही नहीं, जनता के मन में सरकार से जो अपेक्षाएं है, हम उन्हें भी पूरा करेंगे। जनता को झुंझुनूं सहित सभी सातों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों को भारी बहुमत के साथ जीताकर विधानसभा में भेजना होगा। सीएम शर्मा ने जनसभा में उपस्थित लोगों से जयकारा लगाते हुए पंजा नहीं दिखाने की अपील की और कहा कि इस पंजे ने देश को गंजा करने का काम किया है। ऐसे में हमें भगवान हनुमान जी की मुष्टिका बनाकर जयकारा लगाना है।

संक्षिप्त समाचार

सुभाष चौधरी को ब्रॉन्ज पदक ,गौरी जायसवाल को सिल्वर और प्रभाव बाजोरिया को सिल्वर मेडल से किया सम्मानित

चमकता राजस्थान/जयपुर 9नवंबर । इन्दौर में आयोजित सेन्ट्रल इंडिया ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप 4 से 8 नवंबर 2024 में जयपुर के सुभाष चौधरी ने अंडर 19 वर्ग में ब्रॉन्ज पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया कोच खांगा राम चौधरी ने बताया कि सुभाष नीरजा मोदी स्कूल 9 वी क्लास का विद्यार्थी है और प्री क्वार्टर में छत्तीसगढ़ के यस सोनवानी से वॉकओवर,क्वार्टर फाइनल में छत्तीसगढ़ के अर्सलान शेख़ 11-8,11-8,11-1, से सेमी फ़ाइनल में उत्तर प्रदेश के अंश त्रिपाठी 5- 11,7- 11,1- 11,से हार का सामना करना पड़ा ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

अंडर 15 वर्ग गर्ल्स में राजस्थान की गौरी जायसवाल ने १२३ राउंड में बाय, प्री क्वार्टर फ़ाइनल मे राजस्थान की पवित अरोड़ा से वॉकओवर , क्वार्टर फ़ाइनल में महाराष्ट्र की आरवी रैना को 11- 6,11- 0,11- 4 से सेमी फ़ाइनल में महाराष्ट्र की अमेरा मेहता को 11-6,11-9,11-8, से फाइनल में जगह बनाई और फाइनल में महाराष्ट्र की वसुंधरा नागरे 8- 11,8- 11,11- 5,11- 2,5- 11 से हार का सामना करना पड़ा सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

अंडर 13 वर्ग बॉयज में राजस्थान का प्रभाव बाजोरिया ने पहले राउंड में बाय मिली, दूसरे राउंड में मध्य प्रदेश के युवान भाटिया को 11-0,11- 2,11- 0 से

प्री क्वार्टर फ़ाइनल में मध्य प्रदेश के हर्षित खंडेलवाल को 11-0,11-1,11-3, से क्वार्टर फ़ाइनल में महाराष्ट्र के रेयांश कारिया को 11-8,11- 6,11- 6 से और सेमी फ़ाइनल में राजस्थान के धैर्य गोगिया को 11-8,11-8,11-5, से फाइनल मे वेस्ट बंगाल के अयान धानुका से 11- 8,8- 11,3- 11,7- 11, हार का सामना करना पड़ा सिल्वर मेडल अपने नाम किया। सुभाष चौधरी को ब्रॉन्ज पदक से गौरी जायसवाल को सिल्वर मेडल से और प्रभाव बाजोरिया को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया !

भाजपा की जीत ही होगी श्री अमृतलाल मीणा को सच्ची श्रद्धांजलि: दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

सलूम्बर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज कहा कि शांता देवी की जीत ही स्वर्गीय अमृतलाल मीणा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वे आज सलूंबर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसंपर्क कर रही थी।

दिया कुमारी ने कहा कि अमृतलाल मीणा ने मेवाड़ की विपरीत परिस्थितियों में भी कमल खिलाये रखा क्योंकि वे एक मिलनसार व्यक्ति थे। उन्होने सलूंबर के विकास के लिए भरपूर प्रयास किये और उनकी कमी सलूंबर और भाजपा को हमेशा खलती रहेगी। परन्तु अब शीर्ष नेतृत्व ने शांता देवी को ये जिम्मेदारी सौंपी है। मेरी आप सभी से अपील है कि शांता देवी को जीता कर अमृतलाल मीणा को सच्ची श्रद्धांजलि देवे।

उपमुख्यमंत्री ने आज सलूंबर विधानसभा क्षेत्र के जावद में जनसभा को संबोधित किया और फिर सलूंबर कस्बे में एक रोड शो किया। रोड शो में भारी संख्या में स्थानीय निवासी, ख़ासकर महिलाओं ने हिस्सा लिया।

उन्होने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य पूरा करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिन-रात काम कर रहे है और विकसित राजस्थान के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पूरी टीम मेहनत कर रही है। सलूंबर की कड़ी विकास के डबल इंजन से जुड़ी रहे, इसके लिए जरूरी है कि शांता देवी को आप सभी मिल कर भारी बहुमत से जिता कर विधानसभा में भेजे।

दिया कुमारी ने जावद में कहा कि क्षेत्र के प्रवासी वोटों को भी बूथ तक ले जाने के लिए विशेष प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने मातृशक्ति से अपील करते हुए कहा कि माताओं-बहनों की विशेष जिम्मेदारी है कि वे परिवार के सभी को वोट डालने के लिए प्रेरित करे। इस कार्यक्रम में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, कुम्भलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, पिंडवाड़ा-आबू विधायक समाराम गरासिया, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर, जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह, श्रीमती दीपेंद्र कंवर भीण्डर, एस.टी. मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा, एस.टी. मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण निनामा, कल्ला संस्थान के अध्यक्ष फूल सिंह कल्ला, प्रमोद सामर, अविनाश मीणा तथा मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इससे पहले उन्होने जावद पहुँचने पर मेवाड़ के शूरवीर योद्धा कल्लाजी राठौड़ के मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आगामी सावों पर बाल विवाह रोकने हेतु निकाली रैली

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर, 8 नवम्बर 24 को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर और निदेशालय बाल अधिकारिता विभाग एवं महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार आगामी वैवाहिक सावों पर बाल विवाह प्रतिषेध सुनिश्चित करने के लिए जनजागरूकता अभियान एक्शन प्लान के तहत शुक्रवार को बाड़ा हैडरशाह महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय से सिटी जुबली हाल तक रैली का आयोजन किया गया। रैली में सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण एडीजे रेखा यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। एडीजे यादव द्वारा बताया गया कि आगामी सावों पर बाल विवाह रोकने हेतु प्राधिकरण तत्पर है, और किसी भी माध्यम से सूचना मिलने पर तत्काल कार्यवाही की जावेगी। सहायक निदेशक डीसीपीयू विश्व देव पांडेय द्वारा बताया गया कि चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098 पर किसी भी समय फोन कर बाल विवाह की गोपनीय शिकायत दर्ज की जा सकती है। इसके अतिरिक्त कार्यालय के दूरभाष संख्या 05642-299112 तथा बाल कल्याण समिति में भी शिकायत गोपनीय रूप से दर्ज कराई जा सकती है। रैली के दौरान लगभग 120 से अधिक बालिकाएं, स्काउट गाइड के छात्र सम्मिलित हुए एवं बाल विवाह निषेध का संदेश दिया गया। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार अब गाँव का सरपंच भी बाल विवाह के लिये सीधे तौर पर जिम्मेदार बनाया गया है एवं उस पर भी मुकदमा चलाये जाने का प्रावधान है। प्रिंटिंग प्रेस वालां को भी बाल विवाह रोकथाम हेतु शादी के कार्डों पर जन्मतिथि लिखने हेतु निर्देश जारी किये हुए हैं। रैली में निजी सहायक जगदीश जादौन, ओआरडब्ल्यू योगेश शर्मा, जेंडर स्पेशलिस्ट कनुप्रिया कौशिक, स्कूली बालिकाएं, काउंसलर शाहिदा फारूकी, पूजा शर्मा सहित बाड़ा हैडरशाह और सिटी कोतवाली स्कूल की बालिकाएं और शिक्षिकाएं सम्मिलित हुई।

रणजीत सिंह सोडाला ने की सलूम्बर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी शीला देवी के पक्ष में मतदान की अपील

चमकता राजस्थान

जयपुर। सलूम्बर में भाजपा के प्रदेश मंत्री एवं रावणा राजपूत समाज के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला ने उपचुनाव में सलूम्बर विधानसभा से प्रत्याशी शीला देवी के पक्ष में मतदान हेतु होटल वृन्दावन में बैठक ली जिसमे सोडाला ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मजबूती से मतदान करने का आहवान किया एवं एक वोट की कीमत भी बतायी साथ ही प्रदेश में चल रही भाजपा सरकार की उपलब्धियो से अवगत एवं डबल ईंजन की सरकार को समर्थन करने को कहा साथ ही रावणा राजपूत समाज के सलूम्बर जिला संयोजक मान सिंह खण्डेला ,डूंगरपुर जिला अध्यक्ष सूर्य सिंह राठौड़ ,बांसवाड़ा युवा अध्यक्ष अजीत सिंह चौहान उपस्थित रहे साथ में सलूम्बर विधानसभा के आस पास गाँवो से सेकड़ो समाज सेवियों ने भी बैठक में भाग लिया जिसमे विक्रम सिंह अखेपुर ,राम सिंह थड़ा ,रणवीर सिंह चुंडावाड़ा ,विनोद सिंह साकोदरा ,पुष्पेन्द्र सिंह टामटिया ,किशोर सिंह साकोदरा ,शोभेन्द्र सिंह रोहनिया विपेंद्र सिंह रोहनिया ,किशोर सिंह बनकोड़ा ,बहादूर सिंह डूंगरपुर ,राय सिंह घूघरा उपस्थित रहे ,आभार दलपतसिंह विरवा ने जताया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929